• जयपुर, शुक्रवार 10 जनवरी 25 • वर्ष 14 • अंक 143 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त जिला कलक्टर ने ली बैठक....
पेज @4 भूमिहीन राजकीय कार्यालयों, विद्यालयों एवं खेल मैदानों के...
पेज @8 कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह ने 71 प्रतिभागियों के दल को नई दिल्ली के लिए किया....

न्यूज़ अपडेट

तेज रफ्तार बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर, चार लोगों की मौत- 30 से अधिक घायल

चेन्नई/एजेंसी। तमिलनाडु के रानीपेट में गुरुवार को ट्रक और बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 30 घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रानीपेट पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मंजूनाथ, कृष्णप्पा, शंकरन और सोमशेखरन के रूप में हुई है। घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां तीन की हालत गंभीर बताई गई है। मृतकों के शव रानीपेट सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कर्नाटक राज्य परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बता दें कि इससे पहले 26 दिसंबर को चेन्नई-त्रिची हाईवे पर चेंगलपट्टू जिले के पदलम के पास एक सडxक दुर्घटना में व्यक्ति और उसके दो बच्चों की मौत हो गई थी। उनकी कार एक वाहन से टकरा गई थी, जिससे ये हादसा हो गया था।

मोहम्मद साहब के समय से भी पहले कुंभ मेला लग रहा है : गिरिराज सिंह

पटना/एजेंसी। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इंडी गठबंधन को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि इंडी गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक के लिए था। तेजस्वी यादव के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तल्ख टिप्पणी की है।

गिरिराज सिंह ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह वही बात है, जिसे हम लोग पहले से ही कह रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डर से यह सभी राजनीतिक दल एक मंच पर इका हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह गठबंधन किसी भी प्रकार से देश की जनता की सेवा नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व से डर के कारण ये सब एक साथ आए हैं। ये लोग कांग्रेस के साथ हैं और उन्हें अपने उद्देश्यों के लिए कांग्रेस की मदद की आवश्यकता है। हम पहले ही कह चुके थे कि यह गठबंधन केवल चुनावी स्वार्थ के लिए है।

इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने मौलाना शहाबुद्दीन द्वारा कुंभ मेले की जमीन को वक्फ की जमीन बताए जाने पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मौलाना शहाबुद्दीन को अपनी औकात का पता नहीं है। कुंभ मेला मोहम्मद साहब के आगमन से भी बहुत पहले लग रहा है। उनका बयान न केवल हास्यास्पद है, बल्कि हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का अपमान भी है।

प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन का किया उद्घाटन, कहा

अब भारत की बात ध्यान से सुनती है दुनिया

नयी दिल्ली । एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में अन्य देश भारत की ओर देखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की बात को आज दुनिया ध्यान से सुनती है। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों को विदेशों में भारत का राजदूत करार देते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी मेहनत तथा सामाजिक मूल्यों से विश्व में भारत का सिर ऊंचा किया है।

विदेश मंत्रालय और ओडिशा सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की थीम 'विकसित भारत की संकल्पना में प्रवासी भारतीयों का योगदान' है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रवासी भारतीयों के लिए एक विशेष पर्यटक ट्रेन है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने केंद्र और राज्य के मंत्रालयों और विभागों की चार प्रदर्शनियों और प्रचार स्टॉलों का उद्घाटन किया।

समारोह में मोदी ने संबोधन की शुरुआत भगवान जगन्नाथ और भगवान लिंगराज की पावन धरती पर पूरे विश्व से आए अपने भारतवंशी परिवार का स्वागत करके की। उन्होंने कहा कि यह भारत में जीवंत उत्सवों और समारोहों का समय है। कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो जाएगा, मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल और माघ बिहू के त्योहार भी आने वाले हैं। हर जगह खुशी का माहौल है। इसके अलावा, 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी लंबे समय तक विदेश में रहने के बाद भारत वापस आए थे। ऐसे अद्भुत समय में भारत में आपकी उपस्थिति उत्सव की भावना को और बढ़ा रही है। भारत में

■ प्रवासी भारतीय हैं देश के राजदूत, दुनिया में भारत का सिर ऊंचा किया
■ प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

आर्थिक विकास के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मात्र 10 वर्षों में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ चुके हैं। मात्र 10 वर्षों में भारत दुनिया की 10वीं से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। वह दिन दूर नहीं जब भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की सफलता को आज दुनिया देख रही है। जब चंद्रयान शिव शक्ति बिंदु पर पहुंचता है तो हमें गर्व होता है। आज दुनिया भारत की डिजिटल इंडिया की शक्ति से चकित है तो हमें गर्व होता है। आज भारत का हर सेक्टर आसमान की ऊंचाई छूने को आगे बढ़ रहा है। 21वीं सदी का भारत, आज जिस गति से आगे बढ़ रहा है। जिस स्केल पर आज भारत में विकास के काम हो रहे हैं, वो अभूतपूर्व है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कौशल संपन्न युवाओं से भरा हुआ देश है। उन्होंने कहा, 'भारत के तेज कौशल और आर्थिक विकास को दुनिया भर में देखा जा रहा है। आज का भारत, अपना पक्ष तो मजबूती से रखता ही है, ग्लोबल साउथ की आवाज को भी पूरी ताकत से उठाता है।'

उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां शांति का रास्ता चुना था। हमारी विरासत का ये वही बल है, जिसकी प्रेरणा से आज भारत, दुनिया को ये कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है। प्रधानमंत्री ने भारतीय डायस्पोरा को भारत का राष्ट्रदूत बताते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में वह दुनिया के कई नेताओं से मिले। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर नेता अपने देश में रहने वाले भारतीय प्रवासियों की तारीफ करता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप उनके समाज में सामाजिक मूल्य जोड़ते हैं।

लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा

भारत को लोकतंत्र की जननी बताते हुए कहा कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। हमें विविधता सिखानी नहीं पड़ती, हमारा जीवन ही विविधता से चलता है। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के समाज के साथ जुड़ जाते हैं। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के नियम और परंपरा का सम्मान करते हैं। हम पूरी ईमानदारी से उस देश की, उस समाज की सेवा करते हैं। इस सबके साथ ही हमारे दिल में भारत भी धड़कता रहता है। प्रवासी भारतीयों के लिए केंद्र सरकार के कामों को गिनाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आपकी सुविधा और आराम को बहुत महत्व देते हैं। आपकी सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। संकट की स्थिति में अपने प्रवासी भारतीयों की मदद करना हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं, चाहे वे कहीं भी हों। यह आज भारत की विदेश नीति के मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक है। पिछले एक दशक में, हमारे दूतावास और कार्यालय दुनिया भर में संवेदनशील और सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कई देशों में लोगों को कांसुलर सुविधाओं का उपयोग करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। उन्हें मदद के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता था। अब ये समस्याएं हल हो रही हैं। पिछले दो वर्षों में ही 14 दूतावास खोले गए हैं।

आंध्र सरकार ने की मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये देने की घोषणा

तिरुपति । एजेंसी

आंध्र प्रदेश सरकार ने गुरुवार को वैकुंठ एकादशी के लिए तिरूपति में मुफ्त दर्शन टोकन वितरित करने के लिए निर्धारित केंद्रों पर हुई भगदड़ में मारे गये लोगों के परिजनों को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। राज्य के राजस्व मंत्री अनागनी सत्य प्रसाद ने अपने कैबिनेट सहयोगियों वांगलापुडी अनिता (गृह), अनम रामनारायण रेड्डी (एंडोमेंट्स), निम्मला राम नायडू (सिचाई) और के. पार्थसारथी (आईएंडपीआर) के साथ एसवीआईएमएस अस्पताल का दौरा किया और सरकार की ओर से अनुग्रह राशि की घोषणा की।

नारायणवनम तहसीलदार द्वारा की गई भगदड़ की शिकायत के आधार पर, तिरुपति पूर्व पुलिस स्टेशन में

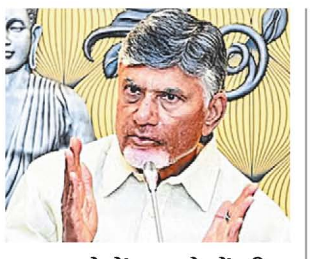

■ हादसे में छह लोगों की हुई थी मौत, 40 लोग घायल
■ तिरूपति में भगदड़ का मामला

भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया गया है। तिरूपति में बुधवार रात हुए दर्दनाक हादसे में पांच महिलाओं समेत छह लोगों की मौत 40 लोग घायल हो गए।

प्रधानमंत्री सहित तमाम नेताओं ने जताया दुख

नयी दिल्ली/ तिरुपति । एजेंसी

आंध्र प्रदेश के सुप्रसिद्ध तिरुपति मंदिर में गत देर शाम भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई जबकि 40 घायल श्रद्धालुओं का तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर रामनारायण रुइया सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह घटना तिरुमाला श्रीवारी वैकुंठ द्वार टिकट काउंटर के करीब विष्णु निवासम के पास 'दर्शन' टोकन वितरण के दौरान हुई। ये सभी बुधवार शाम 10 जनवरी से 19 जनवरी तक वैकुंठ एकादशी के अवसर पर खुलने वाले 'तिरुमाला

■ जानिये क्या है वैकुंठ द्वार, दर्शन जिसके लिए लगी थी भीड़
■ आज है वैकुंठ एकादशी का पर्व

वैकुंठ द्वार' के दर्शन का टोकन लेने के लिए लाइन में खड़े थे और वहां अचानक भगदड़ मच गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय के एक्स पोस्ट में लिखा, 'आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भगदड़ से दुखी हूं।

प्रीतीश नंदी के निधन से आहत फिल्म जगत, करीना कपूर समेत अन्य सितारों ने जताया शोक

मुंबई/एजेंसी।

दिग्गज फिल्म निर्माता, चित्रकार और पत्रकार प्रीतीश नंदी के निधन से फिल्म जगत आहत है। करीना कपूर खान, अनिल कपूर, अनुपम खेर के साथ ही अन्य सितारों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर शोक जताया।

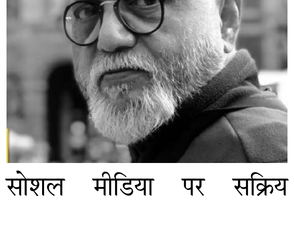

सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेता अनुपम खेर ने एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि वह इस खबर से बहुत दुखी हैं। उन्होंने प्रीतीश को यारों का यार कहकर याद किया। इंस्टाग्राम पर अभिनेता ने एक पुरानी तस्वीर के साथ लिखा, अपने सबसे प्रिय और करीबी दोस्तों में से एक प्रीतीश नंदी के निधन के बारे में जानकर बेहद दुखी और स्तब्ध हूं! अद्भुत कवि, लेखक, फिल्म निर्माता और एक साहसी और अद्वितीय संपादक/पत्रकार! वह मुंबई में मेरे शुरुआती दिनों में मेरा सपोर्ट सिस्टम और ताकत का एक बड़ा सोर्स थे। हमने बहुत सी चीजें साझा कीं। वह उन सबसे निडर लोगों में से एक थे जिनसे मैं मिला।

जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट जैव प्रौद्योगिकी परिदृश्य में एक निर्णायक क्षण : पीएम

नयी दिल्ली । एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट देश के जैव प्रौद्योगिकी परिदृश्य में एक निर्णायक क्षण है। इस प्रोजेक्ट की मदद से हम देश में डायवर्स जेनेटिक रिसोर्स बनाने में सफल हुए हैं। प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट की शुरुआत पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज भारत ने शोध की दुनिया में बहुत ही ऐतिहासिक कदम उठाया है। पांच साल पहले जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट को स्वीकृत किया गया था। इस बीच कोविड की चुनौतियों के बावजूद हमारे वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत से इस प्रोजेक्ट को पूरा किया है। मोदी ने कहा कि इस शोध में आईआईएससी, आईआईटी, सीएसआईआर और डीबीटी-ब्रिक जैसे 20 से अधिक प्रतिष्ठित शोध संस्थानों ने प्रमुख भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 10 हजार भारतीयों के जीनोम अनुक्रमों (सीक्वेंसिंग) से युक्त डेटा अब भारतीय जैविक डेटा केंद्र में उपलब्ध है। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी और उन्होंने परियोजना से जुड़े सभी हितधारकों को बधाई दी।

इस प्रोजेक्ट की मदद से देश में डायवर्स जेनेटिक रिसोर्स बनाने में मिली सफलता

जैव-प्रौद्योगिकी क्रांति का एक महत्वपूर्ण पड़ाव

प्रधानमंत्री ने कहा कि जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट भारत की जैव-प्रौद्योगिकी क्रांति का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस प्रोजेक्ट की मदद से हम देश में एक विविध आनुवंशिक संसाधन बनाने में सफल हुए हैं। इस परियोजना में 10 हजार लोगों का जीनोम अनुक्रमण किया गया है। यह डेटा अब वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को भारत के आनुवंशिक परिदृश्य को समझने में मदद करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह जानकारी देश के लिए नीति-निर्माण और योजना बनाने में बहुत सहायक होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रोगों की प्रकृति बहुत भिन्न होती है, जिससे प्रभावी उपचार निर्धारित करने के लिए जनसंख्या की आनुवंशिक पहचान को समझना आवश्यक हो जाता है। उन्होंने आदिवासी समुदायों में सिकल सेल एनीमिया की महत्वपूर्ण चुनौती और इससे निपटने के लिए राष्ट्रीय मिशन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समस्या अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न हो सकती है और भारतीय आबादी के अद्वितीय जीनोमिक पैटर्न को समझने के लिए एक संपूर्ण आनुवंशिक अध्ययन आवश्यक है। मोदी ने कहा कि यह समझ विशेष समूहों के लिए विशिष्ट समाधान और प्रभावी दवाइयां विकसित करने में मदद करेगी। इसका दायरा बहुत व्यापक है और सिकल सेल एनीमिया सिर्फ एक उदाहरण है। भारत में कई आनुवंशिक बीमारियों के बारे में जागरुकता की कमी है जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जाती हैं और जीनोम इंडिया परियोजना भारत में ऐसी सभी बीमारियों के लिए प्रभावी उपचार विकसित करने में सहायता करेगी।

मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में जैव प्रौद्योगिकी और बायोमास का संयोजन जैव अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आधार बनाता है।

आत्मनिर्भरता 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निर्मित पनडुब्बी में लगे हैं घातक हमलों के लिए हथियार

नौसेना को मिली स्वदेशी 'वाग्शीर', 15 को बेड़े में होगी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वदेशी रूप से निर्मित प्रोजेक्ट 75 की छठी स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वाग्शीर गुरुवार को नौसेना को मिल गई, जिसे 15 जनवरी को भारतीय समुद्री बेड़े में शामिल किया जाएगा। मुंबई के शिपयार्ड मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) ने आज पनडुब्बी की डिलीवरी के साथ इतिहास रच दिया। पनडुब्बी का निर्माण अत्याधुनिक तकनीक और भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत किया गया है, जिसमें सभी तरह के घातक हमलों के लिए भारी-भरकम सेंसर और हथियार लगे हैं।

'वाग्शीर' पनडुब्बी की खासियत

स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी की डिलीवरी के साथ एमडीएल ने पी75 परियोजना को पूरा करके देश में एकमात्र शिपयार्ड के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है, जिसके पास पारंपरिक पनडुब्बी का निर्माण करने की सिद्ध क्षमता है। इसमें दुश्मन के राडार से बचने, क्षेत्र की निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने, पानी के अंदर या सतह पर एक ही समय में 18 टारपीडो और ट्यूब-लॉन्च एंटी-शिप मिसाइलों के साथ सटीक निर्देशित हथियारों का उपयोग करके दुश्मन पर विनाशकारी हमला करने की क्षमता है। स्टील्थ प्रौद्योगिकी सक्षम कलवरी श्रेणी की यह पनडुब्बी 221 फीट लंबी, 40 फीट ऊंची है। समुद्र की सतह पर इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा और नीचे 37 किमी प्रति घंटा है। इसमें 50 दिनों के लिए 350 मीटर पानी के नीचे डूबने की सीमा है।

रेत मछली के नाम पर रखा गया नाम

आईएनएस वाग्शीर का नाम रेत मछली के नाम पर रखा गया है, जो हिंद महासागर में गहरे समुद्र में रहने वाली एक शिकारी मछली है। पनडुब्बी को सभी ऑपरेशन थियेटर में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है और यह नौसेना टास्क फोर्स के अन्य घटकों के साथ अंतर-संचालन योग्य है। पनडुब्बी वाग्शीर का विस्थापन 1,600 टन होगा, जिसमें सभी घातक प्रहार के लिए भारी-भरकम सेंसर और हथियार लगे हैं। इसे एंटी-सरफेस वॉरफेयर, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर और विशेष अभियानों सहित कई तरह के मिशनों को अंजाम देने के लिए डिजाइन किया गया है।

आईएनएस वाग्शीर (एस 26) भारतीय नौसेना के लिए छह कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों के पहले बैच की छठी और अंतिम पनडुब्बी है। यह स्कॉर्पीन श्रेणी पर आधारित एक डीजल-इलेक्ट्रिक अटैक पनडुब्बी है, जिसे फ्रांसीसी नौसेना रक्षा और ऊर्जा समूह नेवल ग्रुप ने डिजाइन और मुंबई के शिपयार्ड मझगांव डॉक लिमिटेड ने निर्मित किया है। आज नौसेना को पनडुब्बी की आपूर्ति के दस्तावेज पर एमडीएल के सीएमडी संजीव सिंघल और सीएसओ (तकनीक) रियर एडमिरल आर. अधी श्रीनिवासन ने भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस पनडुब्बी की डिलीवरी एमडीएल की व्यावसायिकता, विशेषज्ञता और जटिल युद्ध प्लेटफार्मों के निर्माण में अनुभव का प्रमाण है, जो भारतीय नौसेना की ताकत को काफी हद तक बढ़ाती है।

पंजाब : शंभू बॉर्डर पर सल्फास निगलने वाले किसान की मौत

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के शंभू बॉर्डर पर गुरुवार की सुबह सल्फास निगलने वाले किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। किसान संगठनों तथा प्रशासन ने मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है। सल्फास निगलने वाले किसान की पहचान पंजाब के तरनतारन जिला के गांव पोहविंड निवासी रेशम सिंह (55) के रूप में हुई है।

किसान नेता तेजवीर सिंह पंजोखरा के अनुसार रेशम सिंह शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 11 महीने से आंदोलन के बावजूद सरकार की तरफ से इसका समाधान न निकालने से नाराज था। गुरुवार की सुबह लंगर स्थल के पास ही किसान रेशम सिंह ने सल्फास निगल ली। जैसे ही इस बारे में किसानों को पता चला तो उसे पहले राजपुरा के अस्पताल में ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देख पटियाला रेफर कर दिया गया। पटियाला में रेशम सिंह की मौत हो गई।

किसानी मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर दिए जा रहे धरने में शामिल होने के लिए मृतक किसान रेशम सिंह 6 जनवरी को अपने गांव से रवाना हुआ था। रेशम के साथ पांच अन्य किसान भी थे और वह इससे पूर्व भी दिल्ली आंदोलन में शामिल होता रहा है। रेशम सिंह की पत्नी दविंदर कौर व बेटे इंद्रजीत सिंह को उनकी मौत के बारे में सूचित कर दिया गया है।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस को मात दे पायेगा भारत?

मानव मेटान्यूमोवायरस एक वैश्विक स्वास्थ्य चिंता के रूप में उभरा है, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और प्रतिरक्षाविहीन व्यक्तियों जैसे कमजोर आबादी के लिए। पहली बार 2001 में पहचाना गया, मानव मेटान्यूमोवायरस दुनिया भर में महत्वपूर्ण श्वसन संक्रमण का कारण बनता है, जिससे अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर, विशेष रूप से कम आय वाले देशों में होती है। मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे वायरल प्रकोपों के कारण बढ़ती चुनौतियां सामने आ रही हैं, प्रभावी प्रबंधन के लिए नियामक ढांचों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है।

विशेष रूप से मौसमी प्रकोपों के दौरान अपने व्यापक प्रसार के कारण मानव मेटान्यूमोवायरस महत्वपूर्ण वैश्विक स्वास्थ्य चिंता बन गया है। वायरस का प्रभाव क्षेत्रों में बढ़ने के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। चीन में बढ़ी हुई निगरानी ने मानव मेटान्यूमोवायरस मामलों में वृद्धि का खुलासा किया है, विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों में, जो पता लगाने की दरों में वृद्धि का संकेत देता है। हालाँकि पहली बार 2001 में पहचाना गया, मानव मेटान्यूमोवायरस ने दुनिया भर में बढ़ते श्वसन संक्रमण के कारण ध्यान आकर्षित किया है, जिससे अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट है कि मानव मेटान्यूमोवायरस वैश्विक स्तर पर अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों का 3%–10% हिस्सा है, जिसमें पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वायरस अक्सर फ्लू के मौसम में तेजी से फैलता है, जिससे श्वसन संक्रमण में वृद्धि होती है, जिससे यह मौसमी स्वास्थ्य खतरा बन जाता है। चीन में, फ्लू का मौसम मानव मेटान्यूमोवायरस के मामलों में वृद्धि के साथ मेल खाता है, जिससे अस्पताल में भर्ती होने और मीडिया कवरेज में वृद्धि होती है। वर्षों से प्रचलन में होने के बावजूद भारत सहित कई देशों में मानव मेटान्यूमोवायरस के लिए व्यापक और किफायती परीक्षण बुनियादी ढांचे का अभाव है। जबकि वैश्विक एजेंसियां मानव मेटान्यूमोवायरस की निगरानी करती हैं, फिर भी कई क्षेत्रों में इसका पता लगाने और रिपोर्ट करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे शुरुआती हस्तक्षेप प्रभावित होते हैं।

वायरस पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों जैसे कुछ कमज़ोर समूहों को असमान रूप से प्रभावित करता है। मानव मेटान्यूमोवायरस छोटे बच्चों, विशेष रूप से पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को असमान रूप से प्रभावित करता है, जिन्हें गंभीर बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने का अधिक जोखिम होता है। बुज़ुर्ग, विशेष रूप से वे जिन्हें पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है, मानव मेटान्यूमोवायरस संक्रमण से गंभीर परिणामों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। चीन में, बुज़ुर्गों में मानव मेटान्यूमोवायरस के मामलों में वृद्धि के कारण अस्पताल में भर्ती होने की संख्या बढ़ी है, जिससे वृद्ध आबादी की कमज़ोरी उजागर हुई है। कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को मानव मेटान्यूमोवायरस से गंभीर संक्रमण का अधिक जोखिम होता है, जिसके लिए गहन चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है। एचएमपीवी के कारण होने वाली मौतें शिशुओं और प्रतिरक्षाविहीन लोगों सहित कमज़ोर समूहों में उल्लेखनीय रूप से अधिक हैं। पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए मृत्यु दर 1% है, जो विकसित और विकासशील दोनों देशों में उच्च जोखिम वाली आबादी पर वायरस के प्रभाव के बारे में चिंताएँ पैदा करती है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, सीमित स्वास्थ्य सेवा पहुँच कमज़ोर आबादी के लिए गंभीर परिणामों के जोखिम को बढ़ाती है। इस तरह के वायरल प्रकोपों को प्रबंधित करने के लिए विनियामक ढाँचे और क्षमताओं को मज़बूत करने के उपाय डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना है। भारत सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में एचएमपीवी जैसे वायरस के लिए परीक्षण सुविधाओं का विस्तार करके अपनी नैदानिक क्षमताओं को बढ़ा सकता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद व्यापक, किफ़ायती एचएमपीवी परीक्षण सुनिश्चित करने के लिए निजी प्रयोगशालाओं के साथ सहयोग कर सकती है, जिससे शुरुआती पहचान और रोकथाम हो सके।

भारत एक सुव्यवस्थित विनियामक मार्ग स्थापित करके नैदानिक परीक्षणों के लिए अनुमोदन प्रक्रिया में तेज़ी ला सकता है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान परीक्षणों को तेज़ी से मंजूरी देता है। भारतीय औषधि महानियंत्रक अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले डायग्नोस्टिक किट के लिए आपातकालीन स्वीकृति तंत्र लागू कर सकता है। वास्तविक समय में श्वसन संक्रमण की निगरानी, रुझानों और मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे उभरते खतरों पर नज़र रखने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय निगरानी प्रणाली विकसित की जा सकती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सभी राज्यों में वास्तविक समय मानव मेटान्यूमोवायरस ट्रैकिंग को शामिल करने के लिए एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम का विस्तार कर सकता है। भारत मानव मेटान्यूमोवायरस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान शुरू कर सकता है, रोकथाम के तरीकों और लक्षणों को पहचानने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, खासकर कमजोर आबादी के बीच। स्वास्थ्य मंत्रालय मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे श्वसन संक्रमण के लक्षणों को पहचानने के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना अभियान चलाने के लिए मीडिया और गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी कर सकता है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की जरूरत: भारत वायरल प्रकोपों के प्रबंधन के लिए सूचना और संसाधनों को साझा करने के लिए अपने वैश्विक सहयोग को बढ़ा सकता है, जिससे उभरते रोगजनकों के लिए समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सके। भारत को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पहलों के माध्यम से निगरानी, निदान और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करके मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे उभरते वायरल खतरों से निपटने के लिए अपने नियामक ढांचे को बढ़ाना चाहिए। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ वैक्सीन और एंटीवायरल अनुसंधान में निवेश से ऐसे प्रकोपों को कम करने में मदद मिलेगी। कमजोर आबादी की सुरक्षा और एचएमपीवी प्रसार को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है।

परंपरागत और आधुनिक चिकित्सा में समन्वय की जरूरत

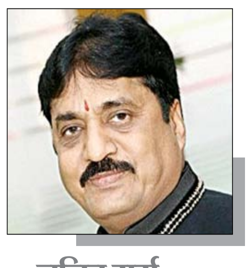

ललित गर्ग

एक और नये चीनी वायरस 'मन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के उपचार को लेकर दुनिया भारत की प्राचीन प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धति की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है, क्योंकि मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना के निदान में भी उसकी भूमिका प्रभावी एवं कारगर रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। इतना ही नहीं प्राकृतिक चिकित्सा उत्पादों का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। इन स्थितियों को देखते हुए यदि आधुनिक विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता कल्याण का नया रास्ता उद्घाटित होगा। प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक महत्त्वपूर्ण शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली है। यह जीवन कला तथा विज्ञान में एक सम्पूर्ण क्रांति है। इसमें प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हलकी पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। योग, ध्यान एवं संतुलित जीवनशैली इस चिकित्सा के आधार है। प्राकृतिक चिकित्सा निर्धन व्यक्तियों एवं गरीब देशों के लिये विशेष रूप से वरदान है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत का जो प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, उसे पिछले एक दशक में देश-विदेश में व्यापक रूप से प्रतिष्ठापित किया गया है और भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, योग को दुनिया में फैलाया गया है। भारत में भीषण गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल

की कोशिश की जाए। पारम्परिक एवं पूरक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन- डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दुनिया भर में इस्तेमाल की जा रही पारम्परिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में, एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएँ, स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा, होम्योपैथी, पारम्परिक चीनी चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, कायरोप्रैक्टिक, ऑस्टियोपैथी, आयुर्वेद व यूनानी उपचार शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 170 सदस्य देशों ने अपनी आबादी द्वारा पारम्परिक चिकित्सा के उपयोग पर रिपोर्ट दी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी, पारम्परिक उपचार प्रणालियों के अध्ययन और अभ्यास में क्रान्ति ला रही है। आयुष शब्द आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी का संक्षिप्त रूप है। इसी आधार पर प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक समय में प्रासंगिक बनाने के लिये भारत सरकार में आयुष मंत्रालय बना है। इसी मंत्रालय के प्रयासों से जहां आयुष बाजार को विस्तार मिला, वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है। इससे रोजगार व उद्यमिता को भी नई ऊंचाइयां मिली हैं। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग, आयुर्वेद, भारतीय खानपान एवं जीवनशैली को वैश्विक मान्यता मिली है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार की सहभागिता में गत वर्ष भारत के गुजरात प्रदेश के गांधीनगर शहर में प्रथम पारम्परिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं टिकाऊ विकास में प्रगति को आगे बढ़ाने में, पारम्परिक, पूरक व एकीकृत चिकित्सा की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए इसे व्यापक बनाने की अनेक योजनाओं पर सहमति जताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार ने आधुनिक विज्ञान एवं टैक्नॉलॉजी के ज़रिये, पारम्परिक औषधि में निहित सम्भावनाओं को साकार करने के इरादे से एक वैश्विक केंद्र स्थापित किये जाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किये और गुजरात राज्य के जामनगर शहर में बनाए जाने वाले इस केंद्र की मदद से आमजन की सेहत में बेहतरी लाने और विश्व के हर क्षेत्र में सम्पर्क व लाभ सुनिश्चित किये जाने की योजना को आकार दिया जाने लगा है। नये विश्व की विडम्बना है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती आधुनिक चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। पारम्परिक चिकित्सा उत्पादों और पद्धतियों के शोध का यह उपयुक्त समय है। दुनियाभर में लोग वैकल्पिक निदानों का रुख़ कर रहे हैं। इससे अधिक शोध व अधिक साक्ष्य सामने आ रहे हैं और शोध के परिणाम बेहद आशाजनक दिख रहे हैं। प्राचीन संस्कृतियों द्वारा चिकित्सा हेतु प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अलावा, आधुनिक रोगों से निपटने के लिए पारम्परिक समुदाय-आधारित स्वास्थ्य प्रथाओं का भी अभूतपूर्व महत्व है। चेचक के टीके का विकास इसका एक सशक्त उदाहरण है।

भारत की प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं रूझान को देखते हुए जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उनको हम विज्ञान की कसौटी पर भी कसे। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति वैश्विक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समाधान करने में सक्षम एवं कारगर बन रही है तो हमें इस पर व्यापक शोध, अनुसंधान एवं प्रयोग को बल देना चाहिए। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। पारम्परिक चिकित्सा को पूर्व-वैज्ञानिक युग की पद्धति के रूप में देखा जाता है, जिसका स्थान आधुनिक, बेहतर, विज्ञान-आधारित चिकित्सा ने लिया। हालाँकि, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा का प्रादुर्भाव, पारम्परिक उत्पादों व प्रथाओं से ही हुआ है, जिसका एक लम्बा इतिहास है। आज लगभग 40 प्रतिशत ×फार्मास्युटिकल उत्पाद, प्रकृति और पारम्परिक ज्ञान से आते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण दवाएँ शामिल हैं।

प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां का आधार हमारे विचार, खानपान और प्रकृतिमय जीवन है, जो बीमारियों को पनपने नहीं देता, यदि फिर भी कोई बीमारी आ जाती है उसका सस्ता, सरल, प्रभावी एवं सुगम इलाज पारम्परिक चिकित्सा पद्धति में है। जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां को विस्तारित एवं सशक्त करते हुए हमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं करनी है बल्कि समन्वय करके इंसानों को स्वस्थ बनाने की दिशा में क्रांति का शंखनाद करना है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो बढ़ती बीमारियों एवं महामारियों की चिन्ता को दूर करने के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा।

भारतीय मध्यवर्गीय परिवार की अनुकूलनशीलता

मनतार सिंह

भारतीय मध्यमवर्गीय परिवार का जीवन अक्सर आकांक्षाओं, चुनौतियों और सांस्कृतिक मूल्यों का मिश्रण होता है। ये परिवार आम तौर पर शिक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं जो सफलता की कुंजी के रूप में मानी जाती है। आधुनिक भारत की गतिशीलता की महत्वाकांक्षाओं के साथ वे अपनी सामाजिक और वित्तीय स्थिरता को संतुलित करने का प्रयास करते हैं। मध्यवर्गीय परिवार गहरे सांस्कृतिक मानदंडों के साथ साथ तेजी से बदलते आधुनिकता के दबाव के प्रभाव को भी झेलते हैं। यह सब चुनौतीपूर्ण होते हुए भी वे गतिशील ,लचीला और अनुकूलनशील समुदाय की भावना युक्त जीवन व्यतीत करते हैं। देखा जाये तो भारतीय समाज में मध्यमवर्गीय परिवार एक बोझ तले जीवन यापन कर रहे हैं। ये प्राणी हमारी सामाजिक गाथा का एक गुमनाम नायक है। मुंबई या दिल्ली की भीड़ भरी लोकल ट्रेन में एक चायवाला चाय के कप को जैसे संतुलित करता है और अपनी चाय भी बेचता है , ठीक उसी तरह यह मध्यमवर्गीय परिवार साहस , हास्य और दृढ़ संकल्प के एक अजीब मिश्रण के साथ जीवन की उथल-पुथल होती हुई नैया को चतुराई से पार कर लेता है। भारत के 1.4 अरब से अधिक लोगों के देश में ये परिवार इकाई और व्यापक सामाजिक दोनों को एक साथ जोड़ने वाले सर्वोत्कृष्ट श्लेष की तरह हैं। आइए उनकी दुनिया में उतरें जो एक आकर्षक पारिस्थितिकी तंत्र जो बोझ, सपनों और सामाजिक ताने बाने के करतबों से भरा हुआ है। भारतीय मध्यवर्गीय परिवार ने पिछले कई दशकों से वित्तीय संकटों, सामाजिक अपेक्षाओं और राजनीतिक वायदों से बचते हुए एक अद्वितीय प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित की है। इनका एक बड़ा रहस्य है, अटल आशावाद और अराजकता में पनपने की क्षमता का मिश्रण। एक उदाहरण के लिए , वे अपने पड़ोसी के बच्चे की सफलता को एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य में बदल सकते हैं और इस तथ्य को आसानी से नजरअंदाज कर सकते हैं कि उनका अपना बच्चा तीसरी बार गणित में फेल हो गया। ऐसे कई उदाहरण हैं जिससे यह प्रतीत होता है कि इस प्रकार की प्रतिरक्षा प्रणाली सीमित संसाधनों में रह कर भी संभव है। मध्यमवर्गीय परिवार में एक वेतन पांच लोगों के परिवार को खिलाता है। अपने चचेरे भाई की शादी को प्रायोजित करता है और किसी तरह अप्रत्याशित स्वास्थ्य आपातकाल के लिए भी भुगतान करता है।और तो और एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में अपने बच्चों के भविष्य के लिए एमबीए करवाने के लिए बचत भी करता है जिससे यह प्रतीत होता है कि जैसे उन्होंने वित्तीय जादू की चाल में महारत हासिल कर ली हो। मध्यमवर्गीय परिवार वित्तीय चुनौतियों का सामना करता रहता है। बढ़ती महंगाई , स्थिर वेतन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अतृप्त भूख के साथ उनका जीवन संतुलन की तलाश में रहता है। औसतन एक मध्यमवर्गीय परिवार बहुत कम बजट पर निर्वाह करता है। जिससे किसी तरह ट्यूशन फीस, कभी-कभार छुट्टियां और होली / दिवाली त्यौहारों के दौरान वार्षिक खर्च जैसी आकांक्षाएं ही पूरी होती हैं। बबलू, जो एक सर्वोत्कृष्ट मध्यमवर्गीय पिता है जो सुबह 9 से शाम 5 तक की कठिन नौकरी करते हैं और अपने घर के करीब अनौपचारिक रूप से आईटी विभाग में काम भी करते हैं। उनका वेतन उनकी पत्नी, शांति की डिस्काउंट सेल पर खरीदारी और घी की बढ़ती कीमतों के बावजूद घर पर लड्डू बनाने की उनकी माँ की जिद का समर्थन करता है। इस बीच शांति उनकी पत्नी बड़ी ही चतुराई से अपनी नौकरी और घर के काम करती है और अपने किशोर बेटे को यह समझाने का प्रयास भी करती है कि टीवी का प्रोग्राम शार्क टैंक इंडिया देखना उसके होमवर्क के रूप में नहीं गिना जाता है। प्रत्येक मध्यमवर्गीय परिवार अपने आप में एक अर्थव्यवस्था है – कार्यबल में योगदान देना, उपभोक्ता मांग पैदा करना, और समुदाय-निर्माण गतिविधियों में शामिल होने के तरीके खोजना। वे वास्तविक जीवन के मल्टीटास्कर हैं जो चाय के अड्डे पर वैश्विक राजनीति पर बहस करते हुए कम बजट में किसी भी रिश्तेदार की शादी की योजना बना सकते हैं। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए सामाजिक सद्भाव बनाए रखना एक कठिन कार्य है। वे हमेशा अपनी ऊर्ध्वगामी आकांक्षाओं और गहराई से जड़ें जमा चुके पारंपरिक और सामाजिक मूल्यों के बीच फंसे रहते हैं। यह द्वंद्व कभी कभी मनोरंजक विरोधाभासों में प्रकट होता है। उदाहरण के लिए, वे अपने बच्चे को नवीनतम आईफोन उपहार में दे सकते हैं लेकिन फिर भी यह मांग करते हैं कि किशोर पारिवारिक समारोहों के दौरान बड़ों के पैर छूएं। सामाजिक दायित्व निभाना भी उन्हें भारी पड़ते हैं। रिश्तेदारों की शादियाँ, अपने त्यौहार और पड़ोसियों के साथ चाय सत्र पर शायद समझौता नहीं किया जा सकता है। शादी छोड़ने से रिश्तेदारों की ओर से "अपने फैंसी जीवन में बहुत व्यस्त" होने के बारे में निष्क्रिय-आक्रामक टिप्पणी आ सकती है। लेकिन हर कार्यक्रम में शामिल होने से खर्च का भारी बोझ बढ़ जाता है। और फिर भी देखा जाय तो ये परिवार मुस्कुराहट के साथ भाग लेते हैं, क्योंकि सामाजिक स्वीकृति उनकी स्थिरता की मुद्रा है।

जीवन की प्रतिकूलताओं के विरुद्ध हास्य मध्यवर्गीय परिवार का गुप्त हथियार है। आसमान छूती गैस की कीमतों से लेकर बिजली के बढ़ते बिल तक हर चीज से निपटने के लिए उन्होंने आत्म-निंदा करने वाले चुटकुलों की कला में महारत हासिल कर ली है। उदाहरण के लिए फरवरी और मार्च के महीने में इनकम टैक्स सीज़न को लें। मध्यवर्गीय माता-पिता अपनी वेतन पर्ची देखते हैं और मजाक करते हैं कि कैसे सरकार उनकी सबसे बड़ी आश्रित है।पिता सोने के गहनों में "सर्वोत्तम एसआईपी" के रूप में निवेश करने पर हंसते हैं, जबकि माताएं इस बात पर बहस करती हैं कि आखिरी पारिवारिक समारोह में किसका कीमती सामान गायब हो गया था। यहां तक कि सांसारिक क्षण भी प्रफुल्लता से भरे होते हैं। बालकनियों पर गपशप करने वाली आंटियां मशहूर हस्तियों और राजनेताओं को एक ही सांस में भूनने का एक तरीका ढूंढती हैं, जबकि स्थानीय चाय की दुकान पर बैठे चाचा अपनी कुर्सियां छोड़कर दुनिया के संकटों को कुशलता से हल करते हैं। तमाम कारीगिरी और बाजीगरी के बीच यह मध्यमवर्गीय परिवार न केवल जीवित रहता है बल्कि वे भावनात्मक रूप से भी विकसित होते हैं। अपने प्रियजनों की जरूरतों के साथ अपनी जरूरतों को संतुलित करने का निरंतर संघर्ष मजबूत पारिवारिक बंधन बनाता है। माता-पिता बिना पलक झपकाए त्याग करते हैं, चाहे वह उनके बच्चे की शिक्षा के लिए हो या उनके भाई-बहन की वित्तीय परेशानियों के लिए। परिवार इकाई एक पवित्र संस्था है, जो आधुनिक चुनौतियों के बावजूद आश्चर्यजनक रूप से बरकरार है। यहां तक कि वे अपनी स्वयं की महत्वाकांक्षाओं को पीछे छोड़ते हुए भी , मध्यम वर्ग के माता-पिता छोटी-छोटी जीतों में खुशी पाते हैं। एक बच्चे का स्नातक होना, ऋण चुकाया जाना, या बिना किसी व्यवधान के घर का बना रविवार का भोजन। उनका प्यार बिना शर्त है, और उनके सपने अक्सर निस्वार्थ रूप से उन लोगों के इर्द-गिर्द घूमते हैं जिनकी वे परवाह और स्नेह करते हैं। भारत का मध्यम वर्ग केवल जनसांख्यिकीय नहीं है यह भारत राष्ट्र की रीढ़ है। वे धार्मिक रूप से करों का भुगतान करते हैं लेकिन जानते हैं कि यह धन कहां जाता हैं। वे बेहतर नीतियों की उम्मीद के साथ चुनाव में भाग लेते हैं। वे अपने बच्चों को बेहतर भविष्य बनाने के लिए शिक्षित करते हैं और चुपचाप हो कर भारतीय अर्थव्यवस्था के इंजन को चलाते हैं। फिर भी , वे अक्सर पहचाने नहीं जाते उन्हें कोई मान्यता नहीं मिलती। उनके संघर्षों पर अमीरी और गरीबी की चरम सीमा हावी हो जाती है। लेकिन यह उनकी अडिग भावना, बेहतर जीवन के लिए उनकी जिद और कर्तव्य की भावना ही है जो भारत को जमीन पर टिकाए रखती है।

भारतीय मध्यवर्गीय परिवार एक विरोधाभासी चमत्कार है। वह एक बोझिल , उत्साही, संघर्षशील ,अल्प संपन्न और व्यावहारिक होता है। लेकिन फिर भी सपनों से भरा हुआ होता है। जीवन की चुनौतियों के प्रति उनकी प्रतिरोधक क्षमता विशेषाधिकार से नहीं बल्कि धैर्य, त्याग और हास्य की झलक से आती है। वे इस बात का प्रमाण हैं कि सबसे असाधारण ताकत सबसे सामान्य परिस्थितियों में भी पाई जा सकती है।

तो, अगली बार जब आप चाय की चुस्की लें और पड़ोस के किसी मध्यमवर्गीय परिवार की हँसी सुनें, तो उनके धैर्य की प्रशंसा करने के लिए एक क्षण रुकें। आख़िरकार, वे सिर्फ जीवित नहीं रह रहे हैं, वे एक समय में अनुकूलनशीलता और बलिदान देकर भारत का दिल गढ़ रहे हैं।

दुनिया में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है विश्व हिंदी दिवस

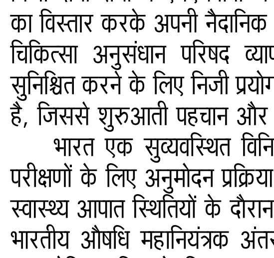

डॉ मौसम कुमार ठाकुर

वैश्विक स्तर पर हिंदी को बढ़ावा देने के और हिंदी के माध्यम से दुनियाभर के तमाम देशों में बसे भारतीयों को एक सूत्र में बांधने के लिए भी विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है।भारत सरकार ने प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 10 जनवरी, 2006 को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। इसके बाद से हर साल इस दिन को धूमधाम के साथ मनाया जाता है। राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, वर्धा के सहयोग से 10 जनवरी, सन 1975 में नागपुर से आरंभ किए गए विश्व हिंदी सम्मेलन के आयोजन के पीछे के प्रमुख उद्देश्य भी यही थे। इस प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया। जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। अभी तक पोर्ट लुईस, स्पेन, लंदन, न्यूयॉर्क, जोहानसबर्ग आदि सहित भारत में विश्व हिन्दी सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। इसी दिवस को मनाने के लिए प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मानाया जाता है। विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर विश्वभर में फैले भारत के दूतावासों, विदेशों के विश्वविद्यालयों की हिन्दी शिक्षण पीठों में, भारत के सभी सरकारी कार्यालयों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों भिन्न-भिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है जिससे वैश्विक स्तर पर हिंदी का व्यापक प्रचार- प्रसार हो सके। हिन्दी दिवस का मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा को और अधिक सम्मान दिलाना, उसे आधुनिक युग के तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्र में भी प्रयोग में लाना है। ये दिन न केवल भाषा के प्रति सम्मान का प्रतीक है, बल्कि हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने की भी प्रेरणा देता है। हमें हमारी मातृभाषा के प्रति गर्व महसूस करने और उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित करता है।हिंदी दुनिया भर में करोड़ों से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली एक इंडो-आर्यन भाषा है. यह दुनिया की चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है. हिन्दी हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा है, हिन्दी ने हमें विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। भारत में हर वर्ष '14 सितंबर' को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी विश्व में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी हमारी 'राष्ट्रभाषा' भी है। वह दुनियाभर में हमें सम्मान भी दिलाती है। यह भाषा है हमारे सम्मान, स्वाभिमान और गर्व की।, हिंदी दिवस हमें हमारे देश के सांस्कृतिक धरोहर के प्रति समर्पित और जागरूक बनाता है, और हमें यह याद दिलाता है कि हमारी मातृभाषा हमारी गर्व और पहचान का प्रतीक है।हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और एकता का प्रतीक है। यह हमें हमारे गौरवशाली इतिहास, साहित्य, और परंपराओं से जोड़ती है। दुनिया भर में हिंदी बोलने वाले करोड़ों लोग इसे विश्व की प्रमुख भाषाओं में स्थान दिलाते हैं। हिंदी न केवल हमारी राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर हमें एक विशिष्ट पहचान भी प्रदान करती है।आज के डिजिटल युग में भी हिंदी तेजी से विकसित हो रही है। इसे केवल भारत में ही नहीं, बल्कि नेपाल, भूटान और मॉरीशस जैसे देशों में भी अपनाया गया है। हिंदी हमें वैश्विक स्तर पर एक अनूठी पहचान देती है और भारतीय संस्कृति को दुनिया भर में प्रसारित करने का माध्यम बनती है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिंदी का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हिंदी फिल्मों और गीतों ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता दिलाई है। यह भाषा न केवल भारतीयों को जोड़ती है, बल्कि विश्व मंच पर भी भारतीय संस्कृति की छवि को मजबूत करती है।

हिन्दी और इसके संवर्धन बारे में विद्वानों ने अनेक अभिव्यक्ति दिये है

– हिन्दी के माध्यम से सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है– **स्वामी दयानंद**

– भारत के हर भाग में शिक्षित-अशिक्षित, ग्रामीण तथा शहरी सभी हिन्दी के समझते हैं– **राहुल सांकृत्यायन**

– मैं किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नही करता, लेकिन मेरे ही देश में हिन्दी का सम्मान न हो मैं सहन नहीं कर सकता– **विनोबा भावे**

– हिन्दी देश की राष्ट्रभाषा है– **महात्मा गांधी**

वैश्विक स्तर पर हिंदी की भूमिका महत्वपूर्ण है –

– विश्व के अनेकों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है।

– हिन्दी दुनियाभर में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली पांच भाषाओं में से एक है।

– फिजी में हिन्दी को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है।

– अब हिन्दी भाषा में वेब एड्रेस या यू आर एल भी बनाए जाने लगे हैं।

– अंग्रेजी भाषा भी हिन्दी के शब्दों को अपना रही है जैसे अवतार, योग- आदि।

– देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी भाषा विश्व की सबसे सरलतम वैज्ञानिक भाषा है।

भारत में ही नहीं, फिलीपींस, मॉरिशस, नेपाल, सूरीनाम, फिजी, तिब्बत, त्रिनिदाद और पाकिस्तान में भी हिंदी बोली जाती है। वैश्विक मंच पर हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाएं कार्यरत हैं। हिन्दी का विश्व में प्रचार प्रसार करने के लिए मॉरीशिस में विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना भी की गई है। इस सचिवालय का उद्देश्य हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करना है तथा हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र महासभा की आधिकारिक भाषा बनाना है। दुनिया भर में स्थित हिन्दी भाषा प्रेमी, 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर, हिन्दी की मधुरता का जश्न मनाते हैं. अंग्रेज़ी और चीनी भाषा के बाद, हिन्दी विश्व स्तर पर तीसरी सबसे ज़्यादा बोली जाने वाला भाषा है. अनुमानों के अनुसार दुनिया भर में लगभग 60 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी भाषी हैं. संयुक्त राष्ट्र के शैक्षणिक व सांस्कृतिक संगठन – UNESCO ने 1948 में हिन्दी को अपनी आधिकारिक भाषाओं की सूची में शामिल किया था. तभी से भारत व पड़ोसी देशों में यूनेस्को का बहुत सारा काम हिन्दी में किया जाता है. भारत में संयुक्त राष्ट्र के के रैज़िडेंट कोऑर्डिनेटर, शॉम्बी शार्प का, विश्व हिन्दी दिवस पर सन्देश. (वीडियो)

संयुक्त राष्ट्र महासभा में, पहली बार 1949 में हिन्दी भाषा का प्रयोग हुआ था. भारत में प्रथम हिन्दी दिवस वर्ष 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को मनाया था, तभी से यह दिवस विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाने के पीछे मूल रुप से यही उद्देश्य है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार किया जाए ,उसका विकास किया जाए और हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त हो सके। अब तक 14 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं।

विश्व हिंदी दिवस एक वैश्विक भाषा के रूप में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है, सांस्कृतिक विविधता, संचार और एकता को बढ़ावा देता है। यह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी के बढ़ते प्रभाव, भाषाई जागरूकता को बढ़ावा देने और भाषा की समृद्ध विरासत और वैश्विक पहुंच का जश्न मनाने पर जोर देता है और यह दिवस अपने उद्देश्य में लगातार अग्रसर है।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त जिला कलक्टर ने ली बैठक

चमकता राजस्थान (अनिल पुष्करणा)

फलौदी,9 जनवरी। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर अजय की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने गणतंत्र दिवस समारोह को हर्षोल्लाश के साथ मनाए जाने को लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।
बैठक में उन्होंने गणतंत्र दिवस पर जिला स्तरीय समारोह के सुचारू

संपादन के लिए बैठक व्यवस्था, माइक, टेंट, ट्रैफिक व्यवस्था, ध्वजारोहण हेतु व्यवस्था, मंच संचालन, मिनट टू मिनट कार्यक्रम, निमंत्रण पत्र वितरण व्यवस्था, प्रशंसा पत्र एवं मोमेंट, मार्च पास्ट, परेड, झांकी प्रदर्शन, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था, फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस एवं

धूमधाम एवं हर्षोलाश से मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस समारोह

मेडिकल टीम के साथ ही अन्य समस्त आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए विभागवार कार्य विभाजन करते हुए महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर सभी राजकीय कार्यालयों में निर्धारित समय पर ध्वजारोहण करने तथा कार्यालयों पर रोशनी करने के निर्देश दिए। स्वतंत्र सैनानी व विरांगनाओं को निमंत्रण पत्र देने तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।
साथ ही ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को पूर्व संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम व परेड के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही नगर परिषद आयुक्त को साफ सफाई की उत्तम व्यवस्थाएं करवाने के निर्देश दिए। बैठक में उपखंड अधिकारी सुनील पंवार, एसीईओ ललित कुमार गर्ग,तहसीलदार डॉ भावना सांखला सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

विकास चौधरी पहुंचेंगे विधानसभा तो लगाऊंगा 108 बाबा रामदेव के दंडावती करते हुए दर्शन करूंगा गोविंद सिंह राठौड़

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अराईपंचायत समिति की ग्राम पंचायत बोराडा के देवरिया गांव के गोविन्द सिंह राठौड़ ने विधानसभा चुनावों में बाबा रामदेव जी ,108 दंडवती करते हुए दर्शन करूंगा गोविंद सिंह राठौड़ सहित शैतान गुर्जर देवरिया मनीष भिचर सुराणा रामदेवरा जाकर बाबा रामदेव के दंडोति प्रणाम कर दर्शन किए बोराडा के वार्ड पांच ढगलाराम बंजारा के अनुसार

स्वराज अभियान के तहत ग्राम विकास अधिकारो को योजना के बारे में दी जानकारी

चमकता राजस्थान रघुनंदन पारीक । अजमेर/ नसीराबाद। श्रीनगर पंचायत समिति श्रीनगर के सभागार में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत पंचायत समिति क्षेत्र के समस्त ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्क सहायक की प्रशिक्षण रखा गया जिसके अंतर्गत सतत विकास के लक्षय को प्राप्त करना टी एम पी पोर्टल पर काम करना, स्त्रउक्रपोर्टल, ई पंचायत पोर्टल, ग्राम स्वराज पोर्टल सहित एवं समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई प्रशिक्षण में विकास अधिकारी महेश चौधरी, सहायक विकास अधिकारी मुकेश काकानी मनोज मौर्य राकेश विजय, रामकिशोर यादव सहित समस्त ग्राम विकास की उपस्थिति।

भाजपा मंडल अध्यक्षों का अभिनंदन केंद्रीय मंत्री पुत्र द्वारा

- **भाजपा नेता सुभाष चौधरी ने नव घोषित मण्डल अध्यक्षो का किया स्वागत।**
- **भाजपा ने सुरसुरा और अराई के मण्डल अध्यक्षो की घोषणा की**

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अज़मेर/मदनगंज-किशनगढ़। भारतीय जनता पार्टी के संगठन चुनाव के दौरान किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सुरसुरा मण्डल में कुलदीप सुनारीवाल को अध्यक्ष घोषित किया गया ओर अराई मण्डल में रतन सिंह राठौड़ के नाम की घोषणा की गई।
भाजपा के नए अध्यक्षो की घोषणा होने के बाद केंद्रीय कृषि किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के सुपुत्र एवं भाजपा युवा नेता सुभाष चौधरी द्वारा अपने आवास पर नव घोषित हुए मण्डल अध्यक्षो का माला साफा पहनाकर, मिठाई खिलाकर उनका स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के अनेक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहें।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की संगठनात्मक मीटिंग 12 जनवरी को धौलपुर में

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण । धौलपुर जिले की खबर। भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के धौलपुर जिला अध्यक्ष राजकुमार ओरिया ने जानकारी दी है। कि दिनांक 12 जनवरी 2025, रविवार को एक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह बैठक बौद्ध बिहार, मदीना कॉलोनी स्थित फक्कू मैरिज हॉम में दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगी। बैठक का उद्देश्य पार्टी की आगामी रणनीति पर विचार- विमर्श और चर्चा करना है। इसमें सभी पूर्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।
जिला अध्यक्ष ने बताया कि बैठक में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने सभी से समय पर पहुंचने की अपील की है, ताकि विचार-विमर्श प्रभावी रूप से संपन्न हो सके।

एसीबी ने चित्तौड़गढ़ में सरपंच एवं ग्राम सचिव को 70 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) । ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर चित्तौड़गढ़ इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये भैरूलाल सरपंच एवं दीपक चतुर्वेदी ग्राम सचिव ग्राम पंचायत सहनवा, पं. स. चित्तौड़गढ़, जिला परिषद चित्तौड़गढ़ को परिवादी से 70 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की चित्तौड़गढ़ को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी फर्म द्वारा करवाये गये कार्यों के बकाया करीब 7.65 लाख रुपये के बिलों को पास करवाने

» दीपक चतुर्वेदी

की एवज में आरोपीगण भैरूलाल सरपंच एवं दीपक चतुर्वेदी ग्राम सचिव ग्राम पंचायत सहनवा द्वारा 70 हजार रुपये रिश्वत राशि

» भैरु लाल सरपंच सहनवा

मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की चित्तौड़गढ़ इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपीगण भैरूलाल सरपंच एवं दीपक चतुर्वेदी ग्राम सचिव ग्राम पंचायत सहनवा को परिवादी से 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपीगण से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया।

इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मंडल कार्यालय में राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन

चमकता राजस्थान। आगरा। आज दिनांक 9 जनवरी 2025 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आगरा के 'गोवर्धन' सभा कक्ष में इंजीनियरिंग विभाग द्वारा राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रनव कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।
प्रदर्शनी में इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों को प्रदर्शित किया गया। विभाग के अधिकांश कार्य हिंदी में संपादित किए जाते हैं, साथ ही निरीक्षण रिपोर्टें भी हिंदी में जारी की जाती हैं। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में इंजीनियरिंग विभाग की भूमिका को सराहा गया।
इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय नितिन गर्ग, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर द्वितीय तुषार बंसल, मंडल इंजीनियर मुख्यालय अनादी मित्तल, मंडल इंजीनियर ट्रैक हरेन्द्र कुमार, राजभाषा अधिकारी अनिल पटेल और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस प्रदर्शनी ने राजभाषा के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

सड़क सुरक्षा माह : मानसरोवर स्थित आईआईएस स्कूल में विद्यार्थियों एवं बाल वाहिनी चालकों को यातायात नियमों के पालन के लिए की जाएगी समझाइश

- **एडीजी ट्रैफिक पालीवाल करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता, जन जागरूकता के लिए देंगे आवश्यक सलाह**

चमकता राजस्थान। जयपुर !(खलील कुरैशी) 09 जनवरी। राजस्थान पुलिस द्वारा 1 जनवरी से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है।इस अवसर पर विभिन्न जागरूकता और समझाइश कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवारकोअतिरिक्तमहानिदेशक पुलिस यातायात अनिल पालीवाल की अध्यक्षता में मानसरोवर स्थितआईआईएस स्कूल में स्कूली बच्चों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।एडीजी ट्रैफिक पालीवाल ने बताया कि राज्य के सड़क परिवहन को सुगम, सरल एवं सुरक्षित संचालन के लिए जनवरी महीने में सड़क सुरक्षा माह आयोजित किया जा रहा है। विद्यार्थियों और बाल वाहिनियों के चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे आईआईएस स्कूल में जन जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तावित है।इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए स्कूल के समस्त विद्यार्थी बाल वाहिनी के चालक सहित स्कूल स्टाफ की पूरी टीम एवं यातायात प्रबंधन से जुड़े पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी सड़क सुरक्षा सप्ताह के महत्व से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह देंगे।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के नेतृत्व में एसीबी कस रहा भ्रष्टाचारीयों पर कानूनी शिकंजा

- **अलवर में राजस्व अपील अधिकरण का वरिष्ठ सहायक 1 लाख 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार**

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 09 जनवरी, गुरुवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर अलवर-प्रथम इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये जितेन्द्र मीणा वरिष्ठ सहायक, कार्यालय राजस्व अपील अधिकरण, अलवर को परिवादी से1 लाख 50 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की अलवर-प्रथम इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि स्कूल समिति की नाम से क्रयशुदा खातेदारी भूमि पर राजस्व मण्डल, अजमेर एवं राजस्व अपील अधिकरण (आर.ए.ए.) के स्थगन आदेश को हटवाने की एवज में आरोपी जितेन्द्र मीणा वरिष्ठ सहायक द्वारा 1 लाख 50 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस अनिल कयाल के

सुपरवीजन में एसीबी की अलवर-प्रथम इकाई के उप अधीक्षक पुलिस महेन्द्र कुमार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी जितेन्द्र मीणा वरिष्ठ सहायक को परिवादी से 1 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

आर टी आई कार्यकर्ता के विरुद्ध अयोध्या में झूठा मुकदमा दर्ज

- **फलोदी आर टी आई कार्यकर्ताओं ने पी एम को भेजा ज्ञापन**
- **जांच राजपत्रित अधिकारी से करवाने की उठाई मांग**

चमकता राजस्थान (अनिल पुष्करणा)। फलोदी। अयोध्या सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना मांगने वाले सामाजिक व आरटीआई कार्यकर्ता के विरुद्ध झूठा मुकदमा करने पर फलोदी आरटीआई कार्यकर्ताओं ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच राजपत्रित अधिकारी से करवाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा है । आरटीआई कार्यकर्ता एस एल व्यास ने भेजे गए ज्ञापन में बताया कि अयोध्या सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना मांगने वाले हरदी लालपुर के सामाजिक व आरटीआई कार्यकर्ता संजय कुमार गरीबों मजलूमों के साथ पुलिसिया अत्याचार व अन्य विभागों भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत करने में तनिक भी संकोच नहीं करते हैं। गोसाईगंज थाने की पुलिसिया लापरवाही के खिलाफ उन्होंने शिकायत की थी। जिससे खुन्नस खाए थाना प्रभारी ने एक व्यक्ति से अपने मनमाफिक शिकायत पत्र लेकर फर्जी अभियोग दर्ज कर लिया। स्थानीय पुलिस का यह रवैया भयावह हैं। थाना प्रभारी खौफ पैदा करके लोगों की जुबान को सिलना चाहती हैं।
उन्होंने बताया कि पुलिस की इस तरह कि कार्यवाही से आरटीआई कार्यकर्ता कभी हताश नहीं होने और वो अन्याय के विरुद्ध अपनी आवाज और सूचना मांगने की कार्यवाही को लगातार जारी रखेंगे ।
लेकिन मैं इसके खिलाफ एक सामाजिक व आरटीआई कार्यकर्ताओ में रोष व्याप्त है।

मृतका बोहरा का आज किया अंतिम संस्कार

देचू सड़क मार्ग पर कार टक्कर में एक महिला की हुई मृत्यु, एक घायल, घायल को किया जोधपुर रैफर

चमकता राजस्थान (अनिल पुष्करणा)

फलोदी 9 जनवरी। जोधपुर जैसलमेर मार्ग पर स्थित देचू थाना हल्का में सड़क दुर्घटना में दो एक महिला की मौत हो गई जबकि दो घायल हुए । इस घटना की सूचना मिलते ही फलोदी में शोक की लहर छा गई ।
देचू पुलिस में मृतका के पुत्र विजय कुमार पुत्र गजेंद्र बोहरा ने मामला दर्ज करवाया कि देचू थाना क्षेत्र के गुमानपुरा के पास बुधवार की

शाम 4 बजे आगे चल रही कार के ड्राइवर द्वारा लापरवाही पूर्वक चलाते हुए अचानक ब्रेक लगाकर गाड़ी को घुमाने से पीछे चल रही हमारी कार दुर्घटना ग्रस्त हो गई जिससे कार में सवार उनकी माता संगीता बोहरा पत्नी गजेंद्र बोहरा निवासी फलोदी की मृत्यु हो गई । वही गाड़ी चला रहे उसके पिता के भी गंभीर चोट लगी है । जिसको इलाज के लिए देचू से जोधपुर भेजा गया है।
ज्ञात रहे फलोदी निवासी गजेंद्र बोहरा वर्तमान में जोधपुर में रहते हैं जो कल फलोदी निजी कार्य के लिए आ रहे थे उस दौरान देचू के पास यह सड़क हादसा हो गया था । इस घटना में गंभीर घायल संगीता बोहरा और उसके पति गजेंद्र बोहरा को देचू चिकित्सालय ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने महिला संगीता बोहरा को मृत घोषित कर दिया जबकि घायल गजेंद्र बोहरा को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रैफर किया गया ।वही मृतका का पोस्टमार्टम की कार्यवाही के पश्चात शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया जिसका आज गमगीन माहौल में फलोदी मोक्ष धाम में अंतिम संस्कार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

भूमिहीन राजकीय कार्यालयों, विद्यालयों एवं खेल मैदानों के लिए जयपुर जिला प्रशासन ने किये 49 भूमि आवंटन

- **जयपुर जिला प्रशासन द्वारा कुल 236 बीघा से अधिक भूमि की गई आवंटित**

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी)09 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन ने पिछले तीन महीनों में अभियान के तौर पर कार्रवाही को अंजाम देते हुए कुल 49 भूमिहीन विद्यालयों एवं खेल मैदानों, उप स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित विभिन्न विभागों के राजकीय कार्यालयों के लिए कुल 236 बीघा से अधिक भूमि का आवंटन किया है। जिला प्रशासन द्वारा भूमिहीन विद्यालयों, खेल मैदानों, शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्व विभाग, कॉलेज शिक्षा विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों के कार्यालयों के लिए भूमि का आवंटन किया गया है।जयपुर जिला प्रशासन की इस पहल से ना केवल भूमिहीन राजकीय कार्यालयों एवं विद्यालायों के भवन निर्माण होंगे, आमजन के लिए राजकीय कार्यालयों एवं चिकित्सालयों में सुविधाएं सुनिश्चित होगी। साथ ही, खेल मैदान विकसित होने से खेल प्रतिभाओं को भी अपने हुनर को तलाशने एवं तराशने के लिए व्यापक सुविधाएं मिलेंगी। इस प्रकार जिला प्रशासन द्वारा विगत तीन महिनों में अभियान के तहत कुल 110 प्रकरणों में भूमि आवंटन सुनिश्चित करने की दिशा में अहम एवं उल्लेखनीय कार्यवाही की है।

किसानों और युवाओं सहित समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है डबल इंजन सरकार : भागीरथ चौधरी

- **केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने 'स्वर्णिम राजस्थान' कार्यक्रम में साझा की विकास योजनाओं की जानकारी**

चमकता राजस्थान। पुष्कर (अजमेर), 9 जनवरी 2025 केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं स्थानीय सांसद भागीरथ चौधरी ने गुरुवार को 'जी राजस्थान' द्वारा पुष्कर में आयोजित 'स्वर्णिम राजस्थान' मीडिया कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी नीतियों और आगामी परियोजनाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने विशेष रूप से अजमेर संसदीय क्षेत्र और राजस्थान के सुनहरे भविष्य के लिए चल रही योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, युवाओं और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने सरकार की विकास योजनाओं और अजमेर व राजस्थान की प्रगति में केंद्र व राज्य सरकार की सक्रिय भूमिका की सराहना की।इस अवसर पर राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत,अजमेर जिला परिषद की जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा, और जी राजस्थान के वरिष्ठ मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भीलवाडा जिले में थाना पण्डेर पुलिस की कार्रवाई

- **ट्रक से 30 लाख रुपए कीमत की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, अलग अलग ब्राण्ड के कुल 229 कार्टुन सहित ट्रक जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार**

चमकता राजस्थान। जयपुर/भीलवाड़ा(खलील कुरैशी)! 9 जनवरी। भीलवाड़ा जिले की पण्डेर थाना पुलिस ने बुधवार रात नाकाबंदी में वाहन चेकिंग के दौरान एक ट्रक से हरियाणा निर्मित विभिन्न ब्रांड की अवैध अंग्रेजी शराब के 239 कार्टन जब्त कर आरोपी सारूक पुत्र सहिद खान निवासी अजिजाबाद थाना पलवल हरियाणा एवं मोहमद शोकिन पुत्र असगर खान (25) निवासी सुदाका थाना नूह हरियाणा को गिरफ्तार किया है, जब्त की गई शराब की कीमत करीब 30 लाख रुपए है।एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ एवं अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई व आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस पर एएसपी राजेश कुमार आर्य व सीओ नरेन्द्र कुमार पारीक के सुपरविजन मे बुधवार रात एसएचओ पण्डेर कमलेश कुमार मय टीम द्वारा थाने के सामने नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी।इसी दौरान जहाजपुर की तरफ से आ रहे एक ट्रक को ईशारा कर रोका गया। चालक ने अपना नाम सारूक व खलासी ने मोहमद शोकिन बताया। वाहन को चैक किया गया तो ट्रक के केबिन के ऊपर व बॉडी में दो पार्टेशन बनाकर अवैध हरियाणा ब्राण्ड शराब भरी हुई मिली।ट्रक की केबिन एवं पार्टेशन से बाहर निकाल कर देखा गया तो 11 अलग अलग प्रकार की शराब मिली। अवैध शराब, ट्रक एवं दोनों तस्करों को गिरफतार कर आबकारी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अवैध शराब कहां से लाये, किसे और कहां देने जा रहे थे के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है। इस कार्रवाई में थाना पण्डेर से एसएचओ कमलेश, कांस्टेबल हेम सिंह, गोविन्द व सीताराम शामिल थे।

जेडीए ने जोन-12 में 45 बीघा सरकारी भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर विकास प्राधिकरण महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई के नेतृत्व में जेडीए दे रहा है अपने कर्तव्यों का सकारात्मक निर्वहन

जोन-09 में जीरो सैटबैक में अवैध निर्माण करने पर तीन मंजिला भवन को किया सील

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 09 जनवरी। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-12 में ग्राम जयरामपुरा में जेडीए की फार्म हाउस योजना की 100 करोड़ रूपये की करीब 45 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-9 गैर अनुमोदित योजना गणेश नगर, श्योपुर, सांगानेर के भूखण्ड संख्या सी-56 में जीरो सैटबैक का गंभीर उल्लंघन कर जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति के बनी 03 मंजिला अवैध बिल्डिग की नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जयरामपुरा, जिला जयपुर में जेडीए की फार्म हाउस योजना में करीब 45 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर स्थानीय काश्तकारों द्वारा कब्जा-अतिक्रमण कर पशुओं का बाड़ा, मिट्टी की डोल बनाकर, लकडी की छडियां, झाडियां लगाकर, सीमेन्ट के पिल्लर गाड़कर, तारबंदी, बाउण्ड्रीवाल कर अवैध रूप से कब्जा-अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर सामूहिक अभियान का आयोजन कर उप नियंत्रक प्रवर्तन रामावतार ताखर की मौजूदगी में आज उपायुक्त जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर जेडीए स्वामित्व की बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त अतिक्रमण मुक्त सरकारी भूमि की अनुमानित कीमत करीब 100 करोड़ रूपये है।जेडीए द्वारा जोन-09 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गैर अनुमोदित योजना गणेश नगर, श्योपुर सांगानेर के भूखण्ड संख्या सी-56 में जीरो सैटबैकक का गंभीर उल्लंघन कर जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति के ग्राउण्ड फ्लोर $ 03 मंजिला में अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर आज दिनांक 09.01.2025 को उक्त अवैध बिल्डिग के प्रवेश द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईंटों की दीवारों से चुनवाकर गेट ताला सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।

उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-तृतीय, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-12, 01, 09 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।साथ ही प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 817 बीघा व वर्ष 2025 में 175 बीघा आज तक कुल 992 बीघा सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया जा चुका है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही, 4 केन्टर सामान किया जब्त

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 09 जनवरी। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में सैक्टर 26 प्रताप नगर, महिमा पनास चौराहे के पास, मालरोड़ विद्याधर नगर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध 04 केन्टर सामान जब्त किया गया।उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में सैक्टर 26 प्रताप नगर, महिमा पनास चौराहे के पास, मालरोड़ विद्याधर नगर से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 04 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

किरतपुरा बोरवेल प्रकरण में जिला प्रशासन का संवेदनशील प्रयास

- **विधायक हंसराज पटेल तथा जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने घर जाकर परिजनों को प्रदान की सहायता राशि**
- **मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत 5 लाख रुपए का चैक सोपा**

चमकता राजस्थान। कोटपूतली-बहरोड़(धर्मेंद्र बंसल) 09 जनवरी कोटपूतली के समीपवर्ती ग्राम किरतपुरा बोरवेल प्रकरण में जिला प्रशासन का संवेदनशील प्रयास करते हुए न्यूनतम समय में परिजनों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आज कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल तथा जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने घर जाकर परिजनों को सहायता राशि प्रदान की गई यह सहायता राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत की गई है जिसमें बालिका चेतना के पिता भूपेंद्र चौधरी को कोटपूतली विधायक तथा जिला कलेक्टर ने 5 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया तथा परिजनों का ढांढस भी बंधाया। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि प्रशासन की सहायता शाखा के द्वारा इस प्रकरण में सहायता प्रदान करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई हैं तथा विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता तुरंत प्रदान की गई इसके साथ ही उन्होंने मौजूद ग्रामीणों से अपने क्षेत्र में खुले बोरवेल तथा कुओं को बंद करने की भी अपील की। इस दौरान कोटपूतली उपखंड अधिकारी बृजेश चौधरी, परिजन तथा स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

मीरा देवी को मिला मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर का लाभ

बना आभा कार्ड, मिला जाँच व दवा का लाभ

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम। 09 जनवरी। जिले में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का लाभ आमजन को बड़ी संख्या में मिल रहा है। मीरा देवी पत्नी मुक्ति लाल बुनकर को भी हाल ही में पीएचसी रुंडल में आयोजित कैम्प में लाभ मिला है। कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि 63 वर्षीया निवासी बुनकरों का मोहल्ला ग्राम रुंडल खण्ड आमेर, जयपुर निवासी मीरा देवी को एकदिन आशा किरण वर्मा द्वारा माँ कैम्प के बारे मे व उसमे दी जाने स्वास्थ्य सेवाओ के बारे में बताया गया। उन्हें आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रुंडल पर माँ कैम्प के आयोजित होने की जानकारी दी गई। गत 18 दिसंबर, 2024 को मीरा देवी कैम्प में पहुंची।वहाँ उन्होंने चिकित्सक से अपने ब्लड प्रेशर की जांच करवाई। उनकी अन्य कई जाँचे भी साथ ही वहाँ पर उपस्थित आशा से अपना आभा कार्ड बनवाया। उन्होंने आयुर्वेद के चिकित्सक को दिखाकर दवाई भी ली।उनका कैम्प में एक भी रुपया नहीं लगा और सारी सुविधा एक ही जगह मिल गई, जिसके लिए वे सरकार का बहुत बहुत आभार व्यक्त करती है और आग्रह करती है कि इस प्रकार के कैम्प हमेशा लगते रहने चाहिए, जिससे आम जन को सुविधाएं मिलती रहे ।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की हुई जाँच, मिला उपचार

मां वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को मिला सोनोग्राफी के लिए वाउचर..

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम। 9 जनवरी । प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। जिसमें उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका ईलाज करने के साथ पोषण युक्त आहार की जानकारी प्रदान की गई। गौरतलब है कि राज्य स्तर के निर्देशानुसार अब प्रत्येक माह की 09, 18 व 27 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जा रहा कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि जिले के चिकित्सा संस्थानों पर मनाए गए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत विशेषज्ञ चिकिसकों द्वारा मां वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी कराने के लिए माँ वाउचर दिये गए साथ ही अन्य जाँच व उपचार

किये गए । उनके रक्तचाप, शर्करा के स्तर, वजन, लंबाई, हीमोग्लोबिन, रक्त, एचआईवी जांच, हृदय स्पंदन आदि की जांच कर उनको गर्भ में पल रहे शिशु और स्वयं की देखभाल के विषय मे बताया गया और आई.एफ.ए. कैल्शियम तथा अन्य आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर चिकित्साकर्मियों द्वारा उन्हें पौष्टिक आहार के महत्व को बताते हुए पोषणयुक्त आहार लेने हेतु जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को गुणवत्ता युक्त प्रसव पूर्व जांच सुविधाएं देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है, जिससे गर्भावस्था व प्रसव के दौरान जोखिम को कम करने में मदद मिल सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को एक स्वस्थ जीवन प्रदान करना है। गर्भवती महिलाओं को रोगों, उपचार एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है, जिससे बच्चे के स्वस्थ जीवन के साथ ही सुरक्षित प्रसव को सुनिश्चित किया जा सके और जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य में आने वाले जोखिम को पूर्व में पहचान कर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

शराब पीने से पूर्णिया के कारोबारी की मौत

अररिया। नेपाल के विराटनगर बस पार्क स्थित होटल ईस्टर्न स्टार में सियाराम क्लोथिंग कम्पनी की ओर से आयोजित डीलर मीट कार्यक्रम में अत्यधिक शराब के सेवन से पूर्णिया के कपड़ा व्यवसायी 35 वर्षीय दीपक कुमार साह की मौत हो गई। सूचना के बाद नेपाल की मोरंग जिला पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।कपड़ा कारोबारी दीपक कुमार साह के मुंह और नाक से खून का स्राव काफी मात्रा में हुआ।नेपाल की मोरंग जिला पुलिस की ओर से परिजनों को सूचना दे दी गई है। जानकारी नेपाल के मोरंग जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी सह डीएसपी वेद प्रकाश जोशी ने दी। नेपाल मोरंग जिला पुलिस कार्यालय मोरंग के सूचना अधिकारी सह डीएसपी वेद प्रकाश जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि विराटनगर के बस पार्क स्थित होटल ईस्टर्न स्टार में सियाराम क्लोथिंग कम्पनी की ओर से भारतीय व्यवसायियों के लिए डीलर मीट कार्यक्रम आयोजित था। इस डीलर मीट कार्यक्रम में शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के साथ कॉकटेल पार्टी का आयोजन किया गया था।

अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अररिया। सिलीगुड़ी अररिया मुख्य मार्ग एनएच 327ई में बैरगाछी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर गुरुवार को एक पिकअप लदे वाहन से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों तस्कर मुजफ्फरपुर जिला के सकरा के रहने वाले हैं और पश्चिम बंगाल से शराब के बड़े खेप को पिकअप पर लादकर मुजफ्फरपुर जाने वाले थे। इसी क्रम में बैरगाछी पुलिस ने गुप्त सूचना पर वाहन जांच अभियान चलाकर शराब लदे पिकअप गाड़ी को पकड़ लिया। सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह ने पुष्टि करते हुए बताया कि गुरुवार की सुबह बैरगाछी थानाध्यक्ष जुली कुमारी को पश्चिम बंगाल से एनएच 327ई सड़क मार्ग से अवैध शराब की बड़ी खेप आने की गुप्त सूचना मिली। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बैरगाछी थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा एनएच 327 ई पर सघन वाहन जांच किया जाने लगा। वाहन जांच के क्रम में एक उजला रंग के पिकअप वाहन पर लदे विभिन्न ब्रांड के एक हजार लीटर विदेशी शराब की बड़ी खेप को बरामद किया गया।

डिटॉक्सिनेशन कार्यक्रम आयोजित

अररिया। फारबिसगंज के प्लस टू भगवती देवी गोयल गर्ल्स स्कूल में अणुव्रत विश्व भारती की ओर से गुरुवार को डिजिटल डिटॉक्स अभियान के तहत डिटॉक्सिनेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ओम शांति केन्द्र की रुक्मणी दीदी मौजूद रही,जिन्होंने अपने प्रेरक वक्तव्य के माध्यम से बच्चों को डिजिटल डिवाइसेज से दूर रहने की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने मोबाइल के बदले ध्यान,योग,अध्यात्म आदि से जुड़ने की अपील की। समिति की ओर से सदस्यों ने डिजिटल दुनिया के साथ साथ डिजिटल मार्केटिंग के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि पहले हमारे समक्ष दुकानें सीमित थी और अब पूरी दुनिया ही बाजार के रूप में हमारे हाथ में मौजूद है, जिससे न केवल पैसों का अपव्यय बढ़ा है। भोग विलास भी अंधाधुंध तरीके से बढ़ रहे हैं। बच्चों का क्रियात्मक पहलू और इंटेलिजेंस लेवल भी तेजी से घट रहा है।

कोलकाता ने भारत के पहले आईबीएम सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज (सीएएस) के लॉन्च किया

कोलकाता। कोलकाता ने भारत के पहले आईबीएम सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज (सीएएस) के लॉन्च के साथ नवाचार और तकनीकी उन्नति में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह अग्रणी पहल आईबीएम और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईईएम) के बीच अभूतपूर्व सहयोग का परिणाम है। इस साझेदारी का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की खाई को पाटना एवं संकाय, छात्रों और आईबीएम विशेषज्ञों को अत्याधुनिक अनुसंधान परियोजनाओं और नवाचार पहलों पर सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आईबीएम इंडिया के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज के प्रमुख अयान पाल और आईईएम के निदेशक और यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) के प्रो वाइस चांसलर सत्यजीत चक्रवर्ती ने हस्ताक्षर किए। यह रणनीतिक साझेदारी उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत के युवाओं को सशक्त बनाने, विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए तैयार है। आईबीएम सीएएस विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संगठनों के साथ उच्च-स्पर्श सहयोग के अवसरों के सह-निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगा। इससे संकाय और छात्रों को सहमत परियोजना पहलों पर काम ।

भाजपा विधायक को विरोध का करना पड़ा सामना

कोलकाता। बांकुड़ा के इंदास से भाजपा विधायक निर्मल धाड़ा को रात के अंधेरे में सदस्य संग्रह अभियान चलाने पर ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। कल यानि बुधवार रात भाजपा विधायक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सदस्य संग्रह अभियान के लिए इंदास के मदरा गांव गए थे। कथित तौर पर, वह उस गांव में आम लोगों को प्रलोभन और धमकी देकर भाजपा का सदस्य बनने के लिए दबाव बना रहे थे। इसके कारण मदरा गांव में माहौल गरमा गया। ग्रामीणों ने विधायक पर रात के अंधेरे में आने का आरोप लगाते हुए उन्हें भगा दिया। हालांकि, भाजपा विधायक का दावा है कि तृणमूल कार्यकर्ताओ ने अशांति फैलाने की कोशिश की। आम लोगों ने कोई विरोध नहीं किया।

मुख्यमंत्री ने बिहार डायरी एवं कैलेण्डर 2025 का किया लोकार्पण

राज्य में रोजगार के अवसर बढ़े

विगत वर्षों में बिहार कई परिवर्तनों का साक्षी रहा

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित बिहार डायरी 2025 एवं कैलेण्डर 2025 का लोकार्पण कर राज्य की जनता को समर्पित किया। बिहार कैलेण्डर-2025 में राज्य में चलायी जा रही अग्रणी योजनाओं को समावेशित किया गया है। विगत वर्षों में बिहार कई परिवर्तनों का साक्षी रहा है, जिसके फलस्वरूप राज्य ने विकास के क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

वर्ष 2005 के बाद से ही राज्य सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरी एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नियुक्तियों की प्रक्रिया को गति मिलने से मानव संसाधन की उपलब्धता के साथ-साथ रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

राज्य की औद्योगिक नीति में हुए परिवर्तनों से उद्यमी बिहार में उद्योग लगाने के लिए उत्साहित हैं। कृषि एवं मत्स्य प्रक्षेत्र में ड्रोन तकनीक का प्रयोग प्रारंभ किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके राज्य के स्कूलों में डिजिटल माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। नयी सड़कों के निर्माण ने न केवल आवागमन को सुगम किया है बल्कि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान की है। बिजली व्यवस्था में व्यापक सुधार के कारण राज्य के लोगों को 247 गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

राज्य में विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करने के दृष्टिकोण से पुलिस आधुनिकीकरण पर बल दिया जा रहा है। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना 'जीविका' महिलाओं के विकास, सशक्तीकरण एवं गरीबी के उन्मूलन के लिए कार्य कर रही है। महिला सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बिहार राज्य महिला सशक्तीकरण नीति-2015 पूरे राज्य में लागू है। बिहार के पर्यटन स्थलों में पर्यटकीय सुविधाओं का चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जा रहा है।

राज्य में कई उत्कृष्ट एवं प्रतिष्ठित (आइकॉनिक) भवनों का निर्माण हुआ है, जो नये बिहार के प्रतीक हैं। नवंबर 2024 में बिहार में महिला एशियाई हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी का आयोजन किया गया, जिसके फलस्वरूप पूरा विश्व हॉकी की दुनिया में भारत की विजयगाथा का साक्षी बन चुका है। बिहार को सुंदर, हरित और स्वच्छ बनाने तथा जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से कारगर ढंग से निपटने के लिए राज्य में जल-जीवन-हरियाली अभियान चलाया जा रहा है।

तिरहुत मुख्य नहर के सेवा पथ पर कराया जा रहा है सड़क का निर्माण

दो जिलों में आवागमन होगा सुगम

एजेंसी

पटना। बिहार में नहरों के अंतिम छोर तक सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करने और ग्रामीण कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जल संसाधन विभाग द्वारा पूर्वी गंडक नहर प्रणाली (गंडक फेज कक) के विस्तार, पुनर्स्थापन एवं आधुनिकीकरण (ईआरएम) के अवशेष कार्यों को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। इसी के तहत विभाग द्वारा तिरहुत मुख्य नहर के कि.मी. 164.00 से कि.मी. 255.00 के बीच सेवा पथ पर सड़क निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण से जहां जल संसाधन विभाग के पदाधिकारियों के लिए पूर्वी चंपारण एवं मुजफ्फरपुर जिले में तिरहुत मुख्य नहर के जरिये हो रही सिंचाई का निरीक्षण करने में सुविधा होगी, वहीं दोनों जिलों के स्थानीय किसानों और ग्रामीणों को आवागमन के लिए एक वैकल्पिक मार्ग मिल जाएगा।

इससे ग्रामीण क्षेत्र में यातायात सुगमता बेहतर होगी। इस सड़क के निर्माण के बाद, किसानों और ग्रामीणों को खेतों, मंडियों, कारखानों तक सामान पहुंचाने में सहूलियत होगी।

लक्ष्य आईएएस अधिकारी बनना है, सागर द्वीप के नागा डेरा में प्रस्तुति में व्यस्त युवती

कोलकाता। संवाददाता

एक युवा सन्यासी ने नागा साधुओं की आश्रम में बैठकर आईएएस परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। उम्र लगभग बीस साल की। सड़क दुर्घटना में घायल होने की विशेष योग्तया। सपना वही है। भगवा पहन के, वह प्रशासन की सर्वोच्च परीक्षा की बाधाओं को पार कर लेंगे। संत समाज की भलाई के लिए काम करेंगे।

राजेश्वरी भारती। यद्यपि वह मूलतः मुंबई के निवासी थे, परन्तु उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा हिमाचल प्रदेश में प्राप्त की। हालाँकि, कुछ साल पहले एक सड़क दुर्घटना में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लग गई थी। युवा राजेश्वरी बिस्तर पर पड़ी थी। उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था। इस समय महादेव भारती अपनी पुत्री राजेश्वरी को गंगा नदी पर ले आये। तनावपूर्ण नजर, भले ही ठंड हो।

यह नागा साधु तीन या चार लोगों का काम अकेले ही कर सकता है। खाना पकाने का कौशल भी उत्कृष्ट है। देश भर में उनके कई शिष्य हैं। लेकिन महादेव भारती को इस शिष्या से प्रेम हो गया है, जिसे भाग्य के क्रूर मोड़ के कारण शारीरिक बाधाओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, राजेश्वरी लंबे समय से अस्पताल में भर्ती थीं। फिर मैंने उसकी देखभाल की और उसे ठीक किया। कृपया उसके लिए प्रार्थना करें। ताकि वह अच्छी तरह से तैयारी कर सके। महादेव भारती काफी समय से कपिल मुनि मंदिर के पास हैं। राज्य सरकार ने नागा साधुओं के लिए कंक्रीट के मकान बनवाए हैं। यहीं पर महादेव भारती का अखाड़ा स्थित है। राजेश्वरी अब वहीं रहती है। गंगासागर मेले के अवसर पर सागरद्वीप पर भीड़ बढ़ती जा रही है। स्नान के साथ-साथ नागा साधु भी इस मेले का मुख्य आकर्षण होते हैं। बहुत से लोग आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। संत अपने माथे पर भस्म लगा रहे हैं। जब महादेव भारती के अखाड़े गया तो देखा कि वह राख से लिपटे हुए थे और कड़ाके की ठंड में नंगे थे।

राजेश्वरी बिस्तर पर लेटी हुई अपना मोबाइल फोन देख रही है। यह महादेव ही थे जिन्होंने युवा सन्यासी से बात कराई। राजेश्वरी ने कहा कि वह सरकारी प्रशासनिक ढांचे के भीतर रहकर देश के लिए काम करना चाहती हैं। दुर्घटना के बाद कई दिनों तक वेंटिलेशन पर रहने के बाद अब वह कुछ हद तक ठीक हो गए हैं। लेकिन, बातचीत में दिलचस्पी बढ़ रही है।

गंगासागर स्नान के लिए कोलकाता पहुंचने लगा साधु-संतों का जत्था, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

एजेंसी

कोलकाता। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर गंगासागर में पुण्य स्नान के लिए श्रद्धालुओं और साधु-संतों का सैलाब उमड़ने लगा है। राज्य सरकार की ओर से कोलकाता के आउट्रामघाट सेवा शिविर मैदान में विशेष व्यवस्था की गई है, जहां देशभर से आए संत समाज के लोग ठहर रहे हैं। दूसरी ओर केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की सतर्कता के बाद पश्चिम बंगाल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, ताकि गंगासागर मेले के दौरान किसी भी तरह की अवैध गतिविधि रोकी जा सके।

कोलकाता के बाबूघाट के पास स्थित आउट्रामघाट सेवा शिविर मैदान में गंगासागर जाने वाले यात्रियों और साधु-संतों का आगमन शुरू हो चुका है। हरिद्वार, इलाहाबाद और अन्य तीर्थस्थलों से आए संत यहां भजन-कीर्तन कर रहे हैं। सेवा शिविर मैदान में बड़ी संख्या में नागा साधु भी एकत्र होने लगे हैं। ये साधु 10 जनवरी

सरकार ने की विशेष व्यवस्थाएं

गंगासागर मेले को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार ने इस बार विशेष इंतजाम किए हैं। राज्य परिवहन विभाग की ओर से सरकारी बसों और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले वर्ष करीब 32 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे, जबकि इस बार यह संख्या करीब 35 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है।

बांग्लादेशी घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षा कड़ी

गंगासागर मेले के दौरान बांग्लादेशी घुसपैठियों की संभावित सक्रियता को देखते हुए सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है। खुफिया एजेंसियों ने राज्य सरकार को सतर्क किया है कि दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में भारी भीड़ का फायदा उठाकर अवैध घुसपैठ हो सकती है।सुंदरबन जिले की पुलिस ने सागर द्वीप के तटीय प्रवेश बिंदुओं, जैसे काकद्वीप के लॉट नंबर 8 और नामखाना के चेमागुरी पर कड़ी निगरानी रखी है। इस बार मेले के दौरान कुल 13 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। भारतीय तटरक्षक बल भी सुरक्षा में सहयोग कर रहा है।

सुरक्षा के लिए हाईटेक इंतजाम

गंगासागर मेले को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए 1,150 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार हर साल मेले के दौरान सुरक्षा मजबूत की जाती है, लेकिन इस बार अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक संकट के कारण कुछ घुसपैठिए मेले का फायदा उठाकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर सकते हैं।

तृणमूल पंचायत प्रधान को मिली जान से मारने की धमकी

आग्नेयास्त्र तस्वीर दिखाकर ऑडियो संदेश में भेजा गया

संवाददाता

कोलकाता। इस बार एक तृणमूल पंचायत प्रधान को ऑडियो संदेश में जान से मारने की धमकी दी गई। बुधवार देर रात दक्षिण 24 परगना के कैनिंग में गोपालपुर ग्राम पंचायत के प्रधान अक्षर मंडल को एक ऑडियो संदेश में हत्या की धमकी मिली। एक बन्दूक की तस्वीर भी भेजी गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। हत्या की धमकी मिलने के बाद पंचायत प्रधान का भयभीत होना स्वाभाविक है। उन्होंने कैनिंग पश्चिम के विधायक परेश राम दास को इस बारे में पहले ही सूचित कर दिया है। अक्षर ने कहा कि वह उनकी सहमति से अगला कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह कैनिंग पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराएंगे। अक्षर मंडल गुरुवार सुबह कैनिंग पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने आईसी से मुलाकात की और सारी बातें बताईं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि घटना के पीछे कौन है।

बीजीबी के हाता में गिरफ्तार त्रिपुरा के ३ युवक!

बीएसएफ जवान आखिरकार घर पर लौटाया

संवाददाता

कोलकाता। विशेष जरूरतों के लिए सीमा पर जाने के बाद त्रिपुरा के तीन युवक मुसीबत में फंस गए थे। वे बीएसएफ की अनुमति लेकर बांग्लादेश की सीमा पर गए और उस देश के सीमा सुरक्षा बल (बीजीबी) द्वारा उन्हें परेशान किया गया। कथित तौर पर, बीजीबी ने उनकी तलाशी ली। कुछ न मिलने पर अंततः उन्हें बीएसएफ को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि तीन आदिवासी युवक काम के लिए बीएसएफ से अनुमति लेकर मधुपुर थाने के देबीपुर राजरतिला इलाके के रास्ते बांग्लादेश सीमा पर गए थे। उस समय बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया और पहले उन्हें चंडीदार बीओपी ले गए। वहां से उन्हें कस्बा पुलिस थाने ले जाया गया। बाद में उन्हें ब्राह्मणबरिया पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उनकी तलाशी ली गई। लेकिन कुछ नहीं मिला। जैसे ही यह

खबर फैली, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आखिरकार बुधवार देर रात कमलासागर ने उन्हें मिया पाड़ा में बीएसएफ के हवाले कर दिया गया।

इस बीच, तीनों युवकों की गिरफ्तारी की खबर सुनकर उनके परिवार के सदस्य सदमे में आ गए। आखिरकार बुधवार की देर रात बीएसएफ ने मियापारा को मधुपुर थाने की पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद मधुपुर पुलिस ने तीनों को उनके परिजनों को सौंप दिया। अंततः उनका परिवार बीएसएफ की भूमिका से खुश है।

छात्रों से एडमिट कार्ड के नाम पर अवैध वसूली, ग्रामीणों में आक्रोश

भागलपुर। जिले के सन्हौला प्रखंड क्षेत्र स्थित श्री चंडिका मिश्री लाल कृष्ण प्रसाद उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरार धुआवै में छात्रों से एडमिट कार्ड के नाम पर अवैध वसूली का मामला प्रकाश में आया है।

हुकमा गांव के एक छात्र, जिसने नाम न छापने की शर्त पर अपनी बात रखी, उन्होंने बताया कि प्रायोगिक परीक्षा के लिए इंटर के एडमिट कार्ड लेने के लिए जब विद्यालय पहुंचा, तो उससे 100 रुपया की मांग की गई। चौंकाने वाली बात यह है कि पैसे लेने के बाद भी कोई रसीद नहीं दी गई। जब छात्र ने पैसे की मांग का कारण पूछा, तो उसे बताया गया कि यह सरस्वती पूजा के चंदे के लिए है। छात्र-छात्राओं का कहना है कि विद्यालय प्रबंधन इस तरह के अनावश्यक और जबरन चंदा वसूलने के लिए बाध्य कर रहा है, जो कि अनुचित है। पंचायत के मुखिया कृष्णा नंद सागर ने बताया कि इस तरह की अवैध वसूली नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आउटराम घाट से मेले का किया औपचारिक उद्घाटन

गंगासागर मेला: सरकारी बस और ट्रेन सेवाएं शुरू

संवाददाता

कोलकाता। गंगासागर मेले के अवसर पर आज, यानि गुरुवार को विशेष सरकारी बस और लोकल ट्रेन सेवाएं शुरू हुई हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आउटराम घाट से मेले का औपचारिक उद्घाटन किये। राज्य परिवहन विभाग और दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन सागर द्वीप पर सुचारू जहाज और बस सेवा सुनिश्चित करने के लिए विशेष कदम उठाये हैं। मेले की तैयारी के लिए सागर क्षेत्र में कई जेटी और घाटों का नवीनीकरण किया गया है। परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने बताया कि इसके अलावा बसों और विभिन्न वाहनों के आवागमन के लिए तीन रोरो बार्ज को गंगासागर क्षेत्र में ले जाया गया है।

गंगासागर जाने वाले यात्रियों के लिए कोलकाता के बाबूघाट और हावड़ा स्टेशनों से विशेष बस सेवाएं उपलब्ध होंगी। सुबह से ये बसें बाबूघाट और लॉट 8 के बीच चलेंगी। राज्य परिवहन निगम, कोलकाता राज्य परिवहन निगम और ट्राम कंपनी संयुक्त रूप से विशेष सेवाओं के लिए 310 सरकारी बसें उपलब्ध कराएंगे। राज्य परिवहन निगम के सूत्रों के अनुसार इस दिन से 17 जनवरी तक करीब 1,750 सरकारी बसें संचालित की जाएंगी।

मेले के अवसर पर पूर्वी रेलवे का सियालदह डिवीजन नामखाना और काकद्वीप तक विशेष लोकल ट्रेन सेवाएं संचालित करेगा। सियालदह-नामखाना शाखा पर प्रतिदिन चलने वाली 85 ट्रेनों के अतिरिक्त मेले के अवसर पर 17 अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनमें से नामखाना शाखा की तीन ट्रेनें सियालदह तक संचालित होंगी। यह खबर गुरुवार को सियालदह डिवीजन के रेलवे प्रबंधक दीपक निगम ने दी। इसके अलावा, एक विशेष ट्रेन कोलकाता स्टेशन से रात 9:30 बजे रवाना होगी और प्रिंसेप घाट और माजेरहाट होते हुए रात 1:05 बजे नामखाना पहुंचेगी। मेले के अवसर पर 13-16 जनवरी के बीच अधिकतम विशेष ट्रेनें चलेंगी।

सियालदह डिवीजन के रेल प्रबंधक ने बताया कि गंगासागर जाने वाले यात्रियों के लिए सियालदह, प्रिंसेप घाट, नामखाना और काकद्वीप स्टेशनों पर दिन-रात सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। उन स्टेशनों पर अतिरिक्त बुकिंग काउंटर, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष घोषणाएं की जाएंगी।

मेले के दिनों में नामखाना और काकद्वीप जाने वाली ट्रेनें सियालदह स्टेशन के प्लेटफार्म 15 और 16 से रवाना होंगी।

एनआरएआई ने जोमैटो और स्विगी के ऐप से खाद्य बिक्री में प्रवेश का किया विरोध

संवाददाता

कोलकाता। भारतीय रेस्तरां उद्योग की सामूहिक आवाज का प्रतिनिधित्व करने वाला नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) हाल ही में फूड डिलीवरी दिग्गज जोमैटो और स्विगी द्वारा प्राइवेट-लेबल फूड डिलीवरी के जरिए क्विक कॉमर्स में प्रवेश करने का कड़ा विरोध करता है। यह कदम निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों को कमजोर करता है और पूरे भारत में हजारों रेस्तरां की व्यवहार्यता के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करता है।

जोमैटो और स्विगी, जो मूल रूप से मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित हुए थे, अब अपनी प्रमुख स्थिति और रेस्तरां डेटा तक पहुंच का लाभ उठाकर सीधे या अपनी सहायक कंपनी के माध्यम से निजी लेबल वाले खाद्य वितरण में उतर रहे हैं। यह रणनीति न केवल उन रेस्तराओं के व्यवसाय को नुकसान पहुंचाती है जो इन प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं, बल्कि कॉपीराइट अधिनियम और संबंधित कानूनों के तहत गंभीर चिंताएं भी पैदा करती है।

मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म के रूप में, जोमैटो और स्विगी को सभी रेस्टोरेंट पार्टनरों के लिए समान अवसर प्रदान करने के आधार पर बनाया गया था। निजी लेबलिंग के माध्यम से भोजन डिलीवरी करने और अपने प्लेटफॉर्म पर बेचने और ब्लिंकिट बिस्ट्रो और स्विगी कैफे / स्नैक जैसे अपने स्वयं के क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से निजी लेबल वाले फूड डिलीवरी करने में उनका प्रवेश मूल रूप से इस तटस्थता का उल्लंघन करता है, जिससे एक असमान मार्केट पैदा करता है।

घोषणा पर बोलते हुए, एनआरएआई के अध्यक्ष सागर दरयानी ने कहा, खाद्य पदार्थों में क्विक कॉमर्स यहाँ रहने, बढ़ने और खाद्य वितरण क्षेत्र में और अधिक उत्साह जोड़ने के लिए है।

संक्षिप्त खबरें

हथियार व गोला-बारूद के साथ एक गिरफ्तार

कुलगाम। एक संयुक्त अभियान में सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हथियार और गोला-बारूद के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को गिरफ्तार किये गए व्यक्ति के कब्जे से युद्ध जैसे सामान बरामद किए गए। सेना के श्रीनगर मुख्यालय वाले चिनार कोर के मुताबिक बुधवार को विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर भारतीय सेना और पुलिस ने थोकरपुरा मोहल्ला कैमोह में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया था। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को 01 एके राइफल, 04 एके मैगजीन, 120 एके राउंड, 02 हैंड ग्रेनेड के साथ पकड़ा गया है।

चिट्टे के साथ एक बाइक सवार गिरफ्तार

शिमला। शिमला जिला की ठियोग पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 76.050 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। यह सफलता उस समय मिली जब पुलिस ने बुधवार की रात रहीघाट में गश्त के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार की तलाशी ली। आरोपी हरिद्वार जिले के रुड़की निवासी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। ठियोग पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला ठियोग पुलिस स्टेशन के एसआई नरेन्द्र जीत की निगरानी में दर्ज हुआ है। मामले के अनुसार पुलिस गश्त के दौरान एसआई नरेन्द्र जीत को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक जो शिमला से ठियोग की ओर आ रहा है।

युवक की सड़क हादसे में हुई मौत

महोबा। सब्जी लेने जा रहे युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई है। गुरुवार को सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। घटना से परिजनों कोहराम मच गया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के कुम्हडौरा गांव निवासी रामकिशन (25) पुत्र स्वर्गीय धर्मदास बुधवार की रात लगभग 8 बजे घर से बाइक पर सवार होकर सब्जी लेने गया था। जहां गांव में ही सड़क किनारे नाजुक हालत में पड़ा मिला। जिसे परिजनों ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रवासी भारतीय दिवस पर दी शुभकामनाएं

भोपाल। गुरुवार को प्रवासी भारतीय दिवस है। हर साल 9 जनवरी को यह दिन मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य भारत के विकास में विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदायों के लोगों के योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है और विदेशों में रहने वाले भारतीयों को उनकी जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। 'प्रवासी भारतीय दिवस' के अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए अपने बधाई संदेश में लिखा प्रवासी भारतीय दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। देश, जीवन शैली और परिस्थितियों में विभिन्नता के बावजूद भारतीय संस्कृति और मानवता के धागे से हम सभी हमेशा समरस रहे हैं।

ओवरटेक के दौरान बाइकों की टक्कर, दो की मौत

मीरजापुर। जमालपुर थाना क्षेत्र के धारा गांव के पास बुधवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मैजिक वाहन को ओवरटेक करने के दौरान दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे दोनों बाइक सवारों की मौत हो गई। सहेवा गांव निवासी शिवशंकर प्रजापति (18) पुत्र पन्नालाल प्रजापति किसी काम से मठना गांव गया था और रात करीब सात बजे वापस लौट रहा था। धारा गांव के पास स्टेट हाईवे पर शिवशंकर ने आगे चल रही मैजिक को ओवरटेक करने की कोशिश की।

दक्षिण कश्मीर में झेलम नदी में रेत खननकर्ता डूबा

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा के काकापोरा हाजीबल इलाके में झेलम नदी से रेत निकालते समय गुरुवार सुबह एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह-सुबह हुई जब काकापोरा के हाजीबल में झेलम नदी से रेत निकालते समय एक पारंपरिक रेत खननकर्ता की मौत हो गई। उसकी पहचान रकीब अहमद पुत्र मोहम्मद इस्माइल डार निवासी हाजीबल के रूप में हुई है जो वर्तमान में लेथपोरा, काकापोरा पुलवामा में रह रहा था। उसे बचाने के प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में पॉलिटेक्निक की परीक्षा देने जा रहे बाइक सवार एक छात्र की तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार चकरा गांव निवासी राम प्रवेश यादव का पुत्र सुधांशु यादव आर आर पॉलिटेक्निक में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष का छात्र था। उसके परीक्षा का सेन्टर सिन्दुरिया स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में था। सुधांशु यादव अपने साथी छात्र आकाशदीप मौर्य के साथ इलेक्ट्रिकल द्वितीय वर्ष की परीक्षा देने के लिए बाइक से जा रहा था।

झूठी एफआईआर लिखना पुलिस अधीक्षक को पड़ा भारी, हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

- अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया
- पुलिस अधिकारी आमजन के हितों की रक्षा के लिए है

जोधपुर। एजेंसी

राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने बाड़मेर कोतवाली थाने में दर्ज एक एफआईआर को फेक करार देते हुए, बाड़मेर पुलिस अधीक्षक को फटकार लगाते हुए कोर्ट में हाजिर रहकर जवाब तलब किया है। साथ ही कहा है कि पुलिस अधिकारी आमजन के हितों की रक्षा के लिए है, उन्हें ये अधिकार नहीं है कि अपना व्यक्तिगत द्वेष के लिए, झूठी एफआईआर दर्ज कर कानून हाथ में लें, उससे खेलने का अधिकार नहीं है। चाहे आरोपित की पूर्व में आपराधिक पृष्ठभूमि रही हो। साथ ही हाईकोर्ट ने कहा कि तथ्यों को देखकर प्रतीत होता है कि बाड़मेर एसपी ने अपने पद और पॉवर का इस्तेमाल कर झूठा मामला परिवादी पर थोपा है। पूरा मामला पिछले साल 28 मार्च का है। पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर में बताया गया कि बाड़मेर शहर के राजकीय अस्पताल के आगे से दिन दहाड़े ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार होकर आए कुछ बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर लिया, जिसकी तलाश में पुलिस के साथ बाड़मेर एसपी नरेंद्र सिंह मीणा खुद अपहृत युवक की दस्तयाब और आरोपितों को पकड़ने में लगे थे। इसी दौरान शहर के चौहटन चौराहे के पास बाड़मेर एसपी को एक ब्लैक कलर की बिना नंबरी स्कॉर्पियो गाड़ी दिखाई दी। गाड़ी को रुकवाने का प्रयास किया, लेकिन, ड्राइवर ने बाड़मेर एसपी और उसमें सवार ड्राइवर और गनमैन को जान से मारने की नियत से सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। आरोपित स्कॉर्पियो लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर एक गांव में बरामद कर लिया था। हालांकि, इस गाड़ी और गाड़ी में सवार लोगों का अपहरण की वारदात से संबंध नहीं था। बरामद स्कॉर्पियो में शैलेन्द्र सिंह नाम के युवक के पहचान पत्र भी बरामद हुए थे। इसी आधार पर बाड़मेर एसपी के वाहन चालक की रिपोर्ट के आधार पर शैलेन्द्र सिंह के खिलाफ पुलिस थाना कोतवाली में मामला दर्ज किया गया, जिसके खिलाफ शैलेन्द्र सिंह ने हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसके बाद कोर्ट ने एफआईआर नंबर 175/2024 पर कार्रवाई को स्थगित कर दिया है।

एसपी से कोर्ट में उपस्थित होकर जवाब तलब किया

जोधपुर हाईकोर्ट के न्यायाधीश फरजंद अली ने पेश किए गए वीडियो फुटेज और तस्वीरों की जांच के बाद पाया कि वाहनों के बीच कोई टक्कर नहीं हुई थी। यह मामला झूठे सबूत गढ़े? का प्रतीत होता है। कोर्ट ने अपराध की संभावना को लेकर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा और कोतवाली थानाधिकारी लेखराज सियाग को शपथ पत्र के माध्यम से स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों से पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाए, मामले की अगली सुनवाई 28 जनवरी 2025 को होगी, जिसमें अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया गया है।

कार और ट्रक की भीषण भिड़ंत में तीन की मौके पर मौत

हाथरस। सिकंदराऊ में हाईवे पर स्थित रतिभान पुर पर भीषण सड़क हादसा हो गया। कार और ट्रक की भिड़ंत में तीन की मौके पर ही हुई मौत हो गयी और एक महिला गंभीर रूप से घायल है। अलीगढ़ की तरफ से एक स्विफ्ट कार में सवार होकर चार महिला पुरुष एटा की तरफ जा रहे थे। जब यह लोग सिकंदरा राऊ थाना क्षेत्र के हाईवे पर स्थित रतिभानपुर के पास पहुंचे तो रोड पर मृत पड़ी गाय पर उनकी तेज रफ्तार कार चढ़ गई। कार उड़ती हुई डिवाइडर पार कर रोड के दूसरी तरफ एटा की ओर से आ रहे ट्रक से सीधे टकरा गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार गाड़ी में ही फंस गए। मौके पर जुटे राहगीरों व स्थानीय लोगों ने कार की बॉडी को तोड़ा और काट कर फंसे लोगों को बाहर निकाला। जब तक कार में फंसे लोगों को निकाला गया तब तक तीन व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल महिला को उपचार के लिए सिकंदरा राऊ के सामुदायिक स्वास्थ्य पहुंचाया। जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया है। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे हाईवे कर्मियों के द्वारा दूसरी लेन में मृत पड़ी गाय को हटाया गया है।

इलाज कराने लंदन पहुंचीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा

लंदन। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया इलाज कराने के लिए लंदन पहुंचीं हैं। कई बीमारियों से पीड़ित 79 वर्षीय खालिदा जिया कतरी रॉयल एयर एम्बुलेंस से लंदन पहुंचीं हैं। वर्ष 2017 के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। खालिदा जिया के लंदन पहुंचने की जानकारी बीएनपी के मीडिया सदस्य शैरुल कबीर खान ने दी। उन्होंने बताया कि जिया की एयर एम्बुलेंस दोपहर 2:55 बजे (बांग्लादेश समय) लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरी। सरकारी बीएसएस समाचार एजेंसी के अनुसार लंदन में बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त मोहम्मद हजरत अली खान ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया और उन्हें गुलदस्ता भेंट किया। जिया जिस विशेष एयर एम्बुलेंस से लंदन पहुंचीं हैं, उसमें कतर के चार रॉयल डॉक्टर और पैरामेडिक्स भी थे। साथ ही उनके बांग्लादेश के डॉक्टर और परिवार के अन्य लोग भी एम्बुलेंस में सवार थे। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर खालिदा जिया ने सात साल बाद बेटे तारिक रहमान और बहू जुबैदा से मुलाकात पर भावुक हो गईं।

राष्ट्रीय खेलों की मशाल 'तेजस्वनी' का चमोली जिले में पहुंचने पर हुआ स्वागत

गोपेश्वर। एजेंसी

38वें राष्ट्रीय खेलों की मशाल 'तेजस्विनी' का जनपद चमोली की प्रवेश सीमा ग्वालदम पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। सीमांत जनपद में मशाल तेजस्विनी के पहुंचने पर लोगों में भारी उत्साह दिखा। ग्वालदम में आईटीबीपी बैंड की अगुवाई में राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेज के छात्रों, स्थानीय जनता, खिलाड़ी और खेल प्रेमियों ने ग्वालदम बाजार में विशाल रैली निकाली और लोगों को राष्ट्रीय खेल में जोड़ने के लिए प्रेरित किया। रैली में 'देवभूमि बनेगी खेल भूमि' और 'संकल्प से शिखर तक' स्लोगन एवं नारों के साथ मशाल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। मशाल तेजस्विनी और शुभंकर मौली के साथ लोगों ने खूब फोटो और सेल्फियां खींचीं। उत्तराखंड राज्य में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन को लेकर सीमांत जनपद चमोली में हर्षोल्लास और उत्साह का माहौल बना हुआ है। चमोली जनपद की प्रवेश सीमा ग्वालदम में जिला क्रीड़ाधिकारी बागेश्वर किरन ने मशाल जिला क्रीड़ाधिकारी चमोली गिरीश कुमार को सौंपी। परियोजना निदेशक आनंद सिंह ने ग्वालदम में प्रचार बैन और मशाल का अनावरण किया।

दो ट्रकों की टक्कर,चालक की मौत

फरीदाबाद। फरीदाबाद में सडक किनारे खड़े खराब ट्रक से बेकाबू ट्रक टकरा गया, जिससे चालक की मौत हो गई। जिसे केबिन काटकर बाहर निकाला गया। मृतक के तीन बच्चे हैं, जो बिहार में रहते हैं। हादसा गुरुवार सुबह करीब 3 बजे हुआ। मृतक की पहचान बलिराम मेहता (44) के रूप में हुई है, जो गांव मक्करी जिला सहरसा बिहार का रहने वाला था। मृतक के भाई रुदल मेहता ने बताया कि उसका भाई बलिराम मेहता पिछले तीन-चार साल से पाली क्रेशर जोन में ढुंडा नाम के एक व्यक्ति के यहां नौकरी करता था और डंपर चलाता था। पुलिस ने उसे फोन कर यह जानकारी दी थी कि गुरुवार की सुबह करीब 3 बजे मांगर इलाके में उसके भाई का ट्रक सामने खड़े ट्रक से टकरा गया है। इसके चलते उसके भाई की मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद वह आज बादशाह खान सिविल अस्पताल में पहुंचे, जहां पर उनके भाई बलिराम का पोस्टमॉर्टम कराया गया। रुदल के मुताबिक उनके भाई के तीन बच्चे हैं, जिनमें से दो बेटी एक बेटा है। एक बेटी की शादी हो चुकी है। अभी दो बच्चे कुंवारे हैं।

उपायुक्त ने ली अधिकारियों की क्राइम रिव्यू मीटिंग

शरारती तत्वों पर विशेष नजर रखें पुलिसकर्मी : उषा

फरीदाबाद। एजेंसी

पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के अंतर्गत पुलिस उपायुक्त सेंट्रल उषा ने गुरुवार को लघु सचिवालय सेक्टर 12 में सेंट्रल जोन के पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के साथ क्राइम रिव्यू मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग के दौरान लम्बित शिकायतों का स्तर शुन्य करने, अनुसंधानाधीन व अन्डर चैकिंग अभियोगों का शीघ्र निपटारा करने, स्पेशल ड्राईव कार्यक्रम के दौरान अधिक से अधिक कार्यवाही करने बारे कार्य योजना तैयार की गई। पुलिस उपायुक्त द्वारा सभी प्रबंधक थाना व प्रभारी चौकियों को निर्देशित किया गया कि ई.आर.वी./राइडर की अधिक से अधिक गश्त सुनिश्चित कराई जाए, दोपहिया/चौपहिया वाहनों की लगातार चेकिंग की जाकर शरारती किस्म के व्यक्तियों व नौजवानों की विशेष चेकिंग की जाए, मॉल/मार्किट एरिया में पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए, थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक सी.सी.टी.वी. कैमरा लगवाने एवं सिक्योरिटी गार्ड बढ़वाने बारे आमजन को जागरूक किया जाए।

12 से 15 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान के तहत होगी गोष्ठी : राजेश

मुरादाबाद। एजेंसी

भाजपा मुरादाबाद महानगर इकाई की जिला कार्यशाला बुधवार को पार्टी कार्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रभारी राजेश यादव ने संविधान गौरव अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि 12 से 15 जनवरी तक मुरादाबाद के साथ विभिन्न जिलों में में गोष्ठियों का आयोजन संविधान गौरव अभियान के अंतर्गत किया जायेगा। जिला कार्यशाला में जिला प्रभारी राजेश यादव ने बताया कि संविधान गौरव अभियान को लेकर जिला एवं मंडल स्तरीय बैठक 1 जनवरी से 9 जनवरी के बीच सम्पन्न हो रही है। मोर्चों की जिला स्तरीय बैठक 9 जनवरी व 10 जनवरी को होंगी। 12 से 15 जनवरी तक मुरादाबाद के साथ विभिन्न जिलों में में गोष्ठियों का आयोजन संविधान गौरव अभियान के अंतर्गत किया जायेगा। 11 से 25 जनवरी तक सभी जिला केन्द्रों में अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान पर गोष्ठियों का आयोजन किया जाना है।

लापता युवक का मिला शव, परिजनों ने किया हंगामा

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ सेक्टर-62 आशियाना फ्लैट के पास एक युवक का शव मिलने के बाद उसके परिजनों ने गुरुवार को हंगामा किया। परिजनों ने बल्लभगढ़ बस स्टैंड के पास हाईवे को जाम करने का प्रयास किया। वहीं शव को पुलिस ने कल कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल की शव गृह में रखवा दिया था। परिजनों के विरोध की आशंका जताते हुए बादशाह खान सिविल अस्पताल में भारी संख्या में पुलिस तैनात किया गया है, ताकि कोई हंगामा न हो। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने बताया कि मृतक युवक दीपक 22 दिन से लापता था, जिसका आशियाना फ्लैट के पास खाली प्लाट में झाड़ियों में गली सड़ी हालत में शव बरामद हुआ है। आदर्श नगर थाने में मृतक के परिजनों ने दीपक के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों ने आरोप लगाया कि युवक की दर्दनाक तरीके से हत्या की गई है।

कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग, पांच लोगों की मौत

कैलिफोर्निया। एजेंसी

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में लॉस एंजिल्स के नजदीक जंगलों में लगी आग ने भयावह रूप ले लिया है। आग से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है और काफी संख्या में लोग घायल हैं। करीब तीस हजार लोगों को घर-बार छोड़ना पड़ा है। आग की चपेट में आकर बड़ी संख्या में इमारतें नष्ट हो गई हैं। शुरूआत में यह आग पैसिफिक पैलिसेड्स, ईटन और हर्स्ट के जंगलों में लगी जो तमाम प्रयासों बावजूद दूसरे इलाकों में फैल गई। बताया जा रहा है कि दक्षिण कैलिफोर्निया के सूखे जंगलों में तेज हवाओं के साथ यह आग तेजी से फैली। अबतक 5 लोगों की मौत लॉस एंजिलेस के जंगलों में लगी आग लगातार तेजी से फैल रही है जिसके कारण स्टेट ऑफ इमरजेंसी की घोषणा कर दी गई है। साथ ही लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है। एलए काउंटी के फायर चीफ एंथनी मार्रोन ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि ईटन में लगी आग के कारण 5 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हैं। जबकि लॉस एंजेल्स के पैसिफिक पैलिसेड्स में लगी आग के दौरान हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इसके साथ ही हर्स्ट में आग भड़क गई है। इस आग से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और करीब 30 हजार लोगों को घर छोड़ना पड़ा है।आग की भयावहता और दूसरे इलाकों में इसके फैलने की आशंका को देखते हुए 50 हजार लोगों को घर खाली करने के आदेश दिए गए हैं। इस आग से डेढ़ हजार से ज्यादा इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। कैलिफोर्निया के पसाडिना शहर में आग से यहूदी प्रार्थनास्थल जल गया।

हॉलीवुड पर भी असर

इस आग का असर अमेरिकी फिल्म उद्योग हॉलीवुड पर भी पड़ा है। आग से बुरी तरह प्रभावित कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलेस में हॉलीवुड के बहुत सारे स्टूडियो और सैकड़ों फिल्म सितारों का यह स्थायी ठिकाना है।

लोक आस्था के महाकुम्भ में अहम हैं 'कल्पवासी'

- भीड़ होने के चलते वह लोग कल्पवास शुरू होने के छह दिन पहले ही आ गए है
- सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो रही है

कुम्भ नगर। एजेंसी

पवित्र त्रिवेणी के तट पर आयोजित हो रहे महाकुम्भ को दिव्य-भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। आयोजन को लेकर देश-विदेश के लोगों में उत्साह और जिज्ञासा है। हर कोई खुद को इस पल का साक्षी बनाना चाहता है। इन सबके बीच आस्था के इस महाकुम्भ की जो सबसे अहम कड़ी है वह है यहां आने वाले 'कल्पवासी'। प्रति वर्ष की तरह इस बार भी माघ महीने में कल्पवासियों की आस्था से यह महाकुम्भ दिव्य होने वाला है। पौष पूर्णिमा से शुरू होने वाले कल्पवास में अभी से कल्पवासियों का आना शुरू हो गया है, इसकी तैयारियां हो रहीं है। रायबरेली से आये दिनेश पांडे कई वर्षो से कल्पवास कर रहे हैं, दिनेश पांडे का कहना है कि उन सबके लिए कल्पवास अलौकिक अनुभव देने वाला होता है। अम्बुज व रविकांत कहते हैं कड़ाके की ठंड और सुविधाओं का टोटा इसमें कोई मायने नहीं रखता है। कहते हैं कि इन बार की व्यवस्था वाकई दिव्य है,सभी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो रहीं है। अपने टेंट की व्यवस्था बनाने में जुटे कल्पवासियों का कहना है कि भीड़ होने के चलते वह लोग कल्पवास शुरू होने के छह दिन पहले ही आ गए है। हालांकि इन सबके बीच महंगाई कल्पवासियों को जरूर परेशान जरूर कर रही है,लेकिन आस्था के आगे इन्हें महंगाई की कोई चिंता नहीं है। प्रतापगढ़ से आये उमाकांत, रामलखन मिश्र का कहना है कि सामान्य कुटिया का रेट सात हजार पहुंच गया है। गोल वाला टेंट पहले सात-आठ हजार में मिल जाता था, अब 15 हजार का है। उल्लेखनीय है कि कल्पवासियों के टेंट की व्यवस्था मेला प्रशासन नहीं करता। टेंट कुछ संस्थाएं बनाती हैं, जिन्हें मेला प्रशासन मामूली दर पर जमीन उपलब्ध कराता है। यहीं पर संस्थाएं अपने कल्पवासियों के शिविर लगवाती हैं। प्रयागराज के ओमप्रकाश के अनुसार टेंट से लेकर जरूरत की सारी सुविधाओं के दाम 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा दिए गए हैं। मगर, उनका उत्साह कम नहीं पड़ा है। कल्पवासी तीर्थ पुरोहितों के ही शिविरों में प्रवास करते हैं। प्रयागवाल सभा के अध्यक्ष शिव शर्मा कहते हैं जो टेंट ढाई हजार में मिलते थे, वह चार हजार रुपये के मिल रहे हैं। इसी कारण शिविर महंगे हो गए हैं। संगम की रेती पर माघ के पूरे महीने निवास कर पुण्य फल प्राप्त करने की साधना को ही कल्पवास कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, कल्पवास की न्यूनतम अवधि एक रात्रि हो सकती है। तीन रात्रि, तीन महीना, छह महीना, छह वर्ष, 12 वर्ष या जीवनभर भी कल्पवास किया जा सकता है। मान्यता है कि सूर्य के मकर राशि में प्रवेश होने के साथ एक मास के कल्पवास से इच्छित फल की प्राप्ति होती है। जन्म जन्मांतर के बंधनों से भी मुक्ति मिलती है। पुराणों के अनुसार, एक कल्पवास का फल उतना ही है, जितना सौ साल तक बिना अन्न ग्रहण किए, तपस्या करने का। महाकुंभ में लाखों साधु-संतों के साथ आम लोग भी कल्पवास करते हैं।

हिंदू धर्म की तीन प्रमुख धाराओं का प्रतीक श्री आदि शंकर विमान मंडपम

महाकुम्भ नगर। एजेंसी

प्रयागराज में स्थित कई मंदिर न सिर्फ आध्यात्मिक साधना के केंद्र हैं, बल्कि ये लोगों को अच्छाई, नैतिकता और सत्कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। यह स्थान आस्थाओं और विश्वासों के साथ-साथ जीवन के उच्चतम आदर्शों की ओर मार्गदर्शन करने का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। इसी कड़ी में श्री आदिशंकर विमान मंडपम, जिसे शंकराचार्य मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, एक अद्वितीय स्थल है। यह मंदिर हिंदू धर्म की गहन आध्यात्मिक परंपराओं और स्थापत्य कला का अद्भुत संगम है। यह स्थान आदि शंकराचार्य की शिक्षाओं और हिंदू धर्म की तीन प्रमुख धाराओं-शैव, वैष्णव, और शक्तिवाद-का प्रतीक है। कांचिकामकोटि के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती ने करवाया निर्माणमंदिर के प्रबंधक रमणी शास्त्री के अनुसार कांचिकामकोटि के 69वें पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती ने अपने गुरु चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती की इच्छापूर्ति के लिए श्री आदि शंकर विमान मंडपम का निर्माण कराया।

संक्षिप्त खबरें

श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए कोनोली, मैकस्वीनी, कुहनेमन ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए गुरुवार को टीम की घोषणा कर दी है। कूपर कोनोली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और नाथन मैकस्वीनी की वापसी हुई है, सैम कोनस्टास और ब्यू वेबस्टर को भी अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी नाथन लियोन के साथ मिलकर तीन मुख्य स्पिनरों की भूमिका निभाएंगे। गॉल में परिस्थितियां अनुकूल होने की उम्मीद है, जहां दोनों टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हालांकि, मिशेल मार्श का टेस्ट करियर अब काफी संदेह में है, क्योंकि भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट के लिए उन्हें बाहर किए जाने के बाद उन्हें श्रीलंका दौरे से बाहर कर दिया गया है। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी स्टीवन स्मिथ करेंगे, जो पितृत्व अवकाश पर हैं और टखने की चोट से उबर रहे हैं।

हंगरी की तैराक 'आयरन लेडी' कैटिंका होस्जु ने की संन्यास की घोषणा

बुडापेस्ट। आयरन लेडी के नाम से मशहूर हंगरी की तैराक कैटिंका होस्जू ने बुधवार को प्रतिस्पर्धी तैराकी से संन्यास की घोषणा की। सोशल मीडिया पर एक भावपूर्ण संदेश में, 35 वर्षीय तैराक ने उन सभी का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उनका समर्थन किया और खेल द्वारा प्रदान की गई परिवर्तनकारी यात्रा पर विचार किया। उन्होंने कहा अब, जब मैं अपने करियर पर नजर डालती हूँ, तो मुझे बहुत संतुष्टि का एहसास होता है। पदक और रिकॉर्ड मूल्यवान हैं, लेकिन जो चीज मेरे साथ सबसे ज्यादा जुड़ी हुई है, वह है तैराकी के प्रति मेरा शाश्वत प्रेम। होस्जू की उपलब्धियों की सूची असाधारण है। वह तीन बार की ओलंपिक चैंपियन हैं, जिन्होंने 200 मीटर और 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में स्वर्ण पदक जीता है, साथ ही 2016 रियो ओलंपिक में 100 मीटर बैकस्ट्रोक में भी स्वर्ण पदक जीता है। अपने करियर के दौरान, उन्होंने 97 पदक जीते और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले विश्व रिकॉर्ड 2:06.12 के साथ पूल से बाहर निकलीं, जिससे खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई।

मंडाविया ने मिशन ओलंपिक सेल की बैठक में हितधारकों से योगदान देने का किया आग्रह

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बुधवार को यहां ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में मिशन ओलंपिक सेल की बैठक बुलाते हुए सभी हितधारकों से खेलों में देश को आगे ले जाने के लिए अपना योगदान देने का आह्वान किया। मंडाविया ने 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों की तैयारी की योजनाओं पर केंद्रित बैठक में कहा भारत का खेल बुनियादी ढांचा और वित्त पोषण वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले देशों के बराबर है। ओलंपिक में पदक जीतना एक साल या छह महीने का काम नहीं है। इसके लिए पहले से अच्छी तैयारी की आवश्यकता होती है। बैठक में गगन नारंग, पुलेला गोपीचंद, वीरेन रसकिन्हा, अपर्णा पोपट, डॉ. सत्यपाल सिंह, प्रशांति सिंह, गायत्री मडकेकर, कमलेश मेहता, साइरस पोंचा, दीप्ति बोपैया, सिद्धार्थ शंकर, मनीषा मल्होत्रा, गौतम वढेरा, प्रेम लोचब सहित कई लोग शामिल हुए। बैठक में देश भर के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और प्रशासकों के साथ-साथ खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के अधिकारी भी अपने विचार रखने के लिए एकत्रित हुए। खेल मंत्रालय की सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने नवगठित मिशन ओलंपिक सेल के सदस्यों और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के नवनियुक्त सीईओ नछत्तर सिंह जोहल का परिचय कराया।

पंजाब अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की उम्मीद के साथ नॉर्थईस्ट का करेगा सामना

- नॉर्थईस्ट यूनाइटेड, जो वर्तमान में 22 अंकों के साथ अंतिम प्लेऑफ स्थान पर है

गुवाहाटी। एजेंसी

पंजाब एफसी शुक्रवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी का सामना करने के लिए तैयार है। यह मुकाबला इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेला जाएगा। पंजाब एफसी, जिसे 'द शेर' के नाम से जाना जाता है, इस मैच में जीत के साथ 18 अंकों से 21 अंकों तक पहुंच सकता है और प्लेऑफ स्थान से केवल एक अंक दूर रह जाएगा। वहीं, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड, जो वर्तमान में 22 अंकों के साथ अंतिम प्लेऑफ स्थान पर है, जीत हासिल करके अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहेगा। मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा। पिछले मैचों के प्रदर्शन पर पंजाब एफसी के मुख्य कोच पनागियोटिस डिल्मपेरिस ने कहा जब एक टीम को अपनी अपेक्षित सफलता नहीं मिलती और लगातार चार मैच हार जाती है, तो यह हमें यह एहसास कराता है कि हमें अपने खेल में सुधार करना होगा। इन नतीजों के पीछे कई कारण हैं, जिन्हें हमने पहचाना है और मैच में उन्हें सुधारने की कोशिश करेंगे।

पिछले कुछ मैचों में हमने कई गोल खाए हैं, लेकिन इसके बावजूद हमारे पास इस सीजन की बेहतरीन रक्षात्मक आंकड़े हैं। टीम के खिलाड़ियों की उपलब्धता पर कोच ने कहा हमारे सभी खिलाड़ी कल के लिए उपलब्ध हैं क्योंकि वे चोट और निलंबन से लौट चुके हैं। हालांकि, उन्हें पूरी लय में आने के लिए कुछ और मैचों की आवश्यकता होगी। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड और उनके कोच जुआन पेड्रो बेनाली के बारे में डिल्मपेरिस ने कहा मैं जुआन पेड्रो बेनाली का बहुत सम्मान करता हूं। वह अपनी टीम को एक इंजन की तरह प्रशिक्षित करते हैं। वे हर सेकंड का उपयोग करते हैं, उनकी आक्रमण रणनीति प्रभावशाली है और उनकी रक्षात्मक प्रणाली भी मजबूत है। हम कल किसी एक खिलाड़ी पर ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे क्योंकि उनके 11 खिलाड़ी मैदान पर होंगे। हमारे पास उनके खिलाफ अपनी योजनाएं हैं और हम उनके कमजोरियों का लाभ उठाकर सकारात्मक परिणाम हासिल करने की कोशिश करेंगे। पिछले मैच में पंजाब एफसी को केरल ब्लास्टर्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने नवागंतुक मोहम्मडन एससी के खिलाफ गुवाहाटी में गोल रहित ड्रॉ खेला। पंजाब एफसी के लिए लुका मैजसेन, पुल्गा विडाल और फिलिप म्रजलजक जैसे मुख्य आक्रमणकारी खिलाड़ी वापस लौट रहे हैं। वहीं, रक्षा में इवान नोवोसेलेक भी टीम को मजबूती प्रदान करेंगे।

प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिफेंडर प्रमवीर सिंह, जो आईएसएल मैच में शुरूआत करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने, ने कहा कोच ने मुझ पर विश्वास जताया है कि मैं टीम के लिए महत्वपूर्ण मैच खेलूं। मैं दबाव महसूस नहीं करता क्योंकि मैं युवा हूं, और यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव है।

शमी के वापसी की उम्मीदें बढ़ीं, आकाशदीप एक महीने के लिए बाहर

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज और संभावित रूप से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में वापसी करने की उम्मीद है। नवंबर 2023 में विश्व कप फाइनल के बाद से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज ने हाल ही में सफेद गेंद क्रिकेट खेलना फिर से शुरू किया है और उनके भारतीय टीम के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार, एनसीए की मेडिकल टीम शमी की बारीकी से निगरानी कर रही है, जिनकी दाहिनी एड़ी की सर्जरी हुई है। एड़ी ठीक हो गई है, लेकिन उनके घुटने में हल्की सूजन है, जिसके कारण उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद के चरणों के लिए विचार से बाहर कर दिया गया है। हाल ही में, शमी ने बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ खेलों में भाग लिया है और गुरुवार को बड़ौदा में हरियाणा के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में फिर से खेलने के लिए तैयार हैं। जैसा कि बीसीसीआई ने कहा है, शमी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की मेडिकल टीम की निगरानी में हैं, और वह जहां भी जाते हैं।

ऋषिका बनर्जी ने रचा इतिहास, राष्ट्रीय फुल कॉन्टैक्ट कराटे चैंपियनशिप का जीता खिताब

रानीगंज (पश्चिम बंगाल)। एजेंसी

कौशल, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का असाधारण प्रदर्शन करते हुए कोलकाता की 16 वर्षीय कराटेका ऋषिका बनर्जी ने राष्ट्रीय पूर्ण संपर्क कराटे चैम्पियनशिप 2025 जीत लिया है, इसी के साथ वह यह चैम्पियनशिप जीतने वाली सबसे कम उम्र की विजेता बन गई हैं। ओपन-वेट वयस्क वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, ऋषिका की जीत ने टूर्नामेंट की विरासत में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर चिह्नित किया।

पश्चिम बंगाल के रानीगंज में आयोजित इस चैंपियनशिप में ऋषिका ने चार मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ कठिन मुकाबले खेले, जिनमें से प्रत्येक कई कठिन दौरों तक चला। चुनौतियों के बावजूद, ऋषिका ने शानदार तकनीक और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। अपनी जीत पर ऋषिका ने एक आधिकारिक बयान में कहा यह जीत सिर्फ. मेरे लिए नहीं बल्कि हर उस युवा मार्शल आर्टिस्ट के लिए है जो बड़े सपने देखता है। ओपन-वेट कैटेगरी में अनुभवी वयस्कों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसने मुझे दृढ़ता और खुद पर विश्वास का मूल्य सिखाया। उनके पिता और कोच, मयूख बनर्जी ने कहा, ऋषिका की अपने हुनर के प्रति प्रतिबद्धता बेमिसाल है। सिर्फ 16 साल की उम्र में इतना प्रतिष्ठित खिताब जीतना उनकी कड़ी मेहनत और मार्शल आर्ट के प्रति जुनून का सबूत है।

16 साल की उम्र में, ऋषिका इस चैंपियनशिप के 28 साल के इतिहास में जीतने वाली सबसे कम उम्र की दावेदार हैं। ऋषिका की कराटे यात्रा 4.5 वर्ष की छोटी सी उम्र में शुरू हुई, जिसका मार्गदर्शन उनके पिता और कोच मयूख बनर्जी ने किया, जो कोलकाता में माइक मार्शल आर्ट्स के संस्थापक हैं। 12 वर्ष की उम्र में, उन्होंने शोटोकन कराटे में अपनी ब्लैक बेल्ट हासिल की। वर्तमान में उनके पास ब्राउन स्ट्राइप है। यह चैंपियनशिप जीत उनकी बढ़ती हुई प्रशंसाओं की सूची में जुड़ती है, जिसमें यूरोपीय ओपन कराटे क्योकुशिंकाई चैंपियनशिप 2024 में अंडर-16 महिला खिताब शामिल है, जहाँ उन्होंने डेनमार्क, स्पेन और कैनरी द्वीप समूह के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगियों के खिलाफ जीत हासिल की। ऋषिका की उपलब्धि युवा एथलीटों, विशेष रूप से लड़कियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा है, जो साबित करती है कि प्रतिस्पर्धी खेलों में सफलता के लिए उम्र और लिंग कोई बाधा नहीं हैं। उनकी यात्रा अनुशासन, कड़ी मेहनत और गुरुओं और परिवार के अटूट समर्थन के महत्व को रेखांकित करती है।

मार्टिन गुप्टिल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की

नई दिल्ली। एजेंसी

मार्टिन गुप्टिल ने आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि कर दी है। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2022 में न्यूजीलैंड के लिए खेला था। हालांकि 38 वर्षीय गुप्टिल दुनिया भर की टी20 लीगों में खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने आखिरी बार 2022 में ब्लैक कैप्स के लिए खेला था।

गुप्टिल वर्तमान में न्यूजीलैंड की घरेलू टी20 प्रतियोगिता सुपर स्मैश में ऑकलैंड के लिए खेल रहे हैं, और उन्होंने पीएसएल ड्राफ्ट के लिए भी साइन अप किया है, जहां इस्लामाबाद यूनाइटेड के पास उन्हें बनाए रखने का विकल्प है। गुप्टिल ने 198 एकदिवसीय मैचों में 7346 रन बनाकर न्यूजीलैंड के लिए सफेद गेंद के महान खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय मंच छोड़ा। केवल रॉस टेलर (8607) और स्टीफन फ्लेमिंग (8007) ने ब्लैक कैप्स के लिए प्रारूप में उनसे अधिक रन बनाए हैं। टी20 क्रिकेट में, वह अब भी न्यूजीलैंड के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने 122 मैचों में 31.81 के औसत और 135.70 के स्ट्राइक रेट से 3531 रन बनाए हैं। गुप्टिल ने 2009 से 2016 तक 47 टेस्ट भी खेले, हालांकि उन्हें सबसे लंबे प्रारूप में उतनी सफलता नहीं मिली। उन्होंने 29.38 की औसत से 2586 रन बनाए।

बास्केटबॉल चैंपियनशिप: गुजरात, उत्तर प्रदेश की पुरुष टीमें शीर्ष दस में पहुंची

भावनगर। एजेंसी

गुजरात के भावनगर स्थित सिदसर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही 74वीं सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में गुजरात और उत्तर प्रदेश की पुरुष और पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र की महिला टीमें लेवल 2 से शीर्ष 10 में पहुंच गई हैं। यह चैंपियनशिप गुजरात बास्केटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से भारतीय बास्केटबॉल महासंघ के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। सुबह पुरुष वर्ग के क्वालीफाइंग दौर के मैचों में गुजरात ने असम को 78-41 से हराया। गुजरात के लिए सहज कुमार पटेल ने सरवाधिक 25 अंक अर्जित किये, सहज के अलावा नमन ने 17 और कृष्णा ने 15 अंक अर्जित किये, जबकि असम के लिए जय प्रकाश ने 23 और अमित ने 16 अंक बनाए। वहीं, उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 84-59 से हराया। उत्तर प्रदेश के लिए रियांशु ने 19, हर्ष डागर ने 14 और सत्यजीत ने 12 अंक हासिल किये, जबकि ओडिशा के लिए अमित और शाहिद ने 19-19 अंक बनाए। महिला वर्ग में महाराष्ट्र ने तेलंगाना को 64-49 से हराया। महाराष्ट्र के लिए शिरीन लिमाए (16) और अंकिता (14) शीर्ष स्कोर रहीं। वहीं, तेलंगाना के लिए सुदर्शिनी ने 16 और दुर्गा ने 15 अंक हासिल किये। पश्चिम बंगाल ने पुडुचेरी को 62-49 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पश्चिम बंगाल के लिए नीमा दोमा (18) और अवनि वर्धन (17) शीर्ष स्कोरर रहीं। वहीं, पांडुचेरी के लिए हारिनी बी ने 19 और वर्षिनी ने 10 अंक हासिल किये।

बुधवार को खेले गए मैच के परिणाम

बुधवार को पुरुष वर्ग में अंतिम सीटी बजने से तीन सेकंड पहले सहज प्रताप सिंह सेखों के तीन-पॉइंटर की मदद से भारतीय रेलवे ने ग्रुप ए के मैच में पंजाब को (73-72) हराया, जबकि ग्रुप बी के एक अन्य मैच में केरल ने सर्विसेज को (63-52) हराकर चौंका दिया। लीग राउंड में एक दिन शेष रहते भारतीय रेलवे, तमिलनाडु पुरुष और महिला ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, साथ ही पुरुषों में सर्विसेज, पंजाब, कर्नाटक और पंजाब, दिल्ली, केरल ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दिन के अन्य मैचों में लेवल 1 पुरुष में तमिलनाडु ने राजस्थान को (83-60) हराया और महिला में भारतीय रेलवे ने कर्नाटक को (83-33) हराया।

व्यापार

स्टॉक मार्केट में परमेश्वर मेटल की एंट्री, आईपीओ को 45.44 प्रतिशत का मुनाफा

नई दिल्ली। एजेंसी

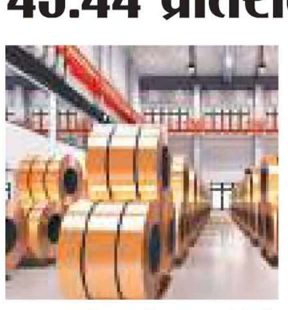

मेटल सेक्टर की कंपनी परमेश्वर मेटल के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 61 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग 38.52 प्रतिशत के प्रीमियर के साथ 84.50 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये शेयर टूट कर 81.05 रुपये के स्तर तक गिर गया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से पहले घंटे के कारोबार के बाद ये शेयर 88.72 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 45.44 प्रतिशत का फायदा हो गया है। परमेश्वर मेटल का 24.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 2 से 6 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। निवेशकों के जोरदार रिस्पॉन्स के कारण ये आईपीओ ओवरऑल 607.07 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 177.32 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,202.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 597.09 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 40.56 लाख नए शेयर जारी किए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी गुजरात में अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी तैयार करने, कॉपर मेल्टिंग फर्नेस को रिनोवेट करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कबाड़ और बेकार हो चुके तांबे के सामानों से कॉपर का सामान बनाने वाली कंपनी परमेश्वर मेटल के दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत हुई है। 2021-22 में कंपनी को 6.85 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आज दबाव के बीच मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,918.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,475.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 134.41 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,500.79 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। एफटीएसई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,251.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

निवेशकों को एक दिन में ही हुआ 3.85 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। एजेंसी

तिमाही नतीजे को लेकर बनी आशंका, रुपये की कीमत में गिरावट और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबार की सपाट स्तर पर मिली जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले 1 घंटे तक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार होता रहा, लेकिन इसके बाद तेज बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक में जोरदार गिरावट आ गई। हालांकि बीच-बीच में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की। इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत और निफ्टी 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

कारोबार के बाद एफएमसीजी को छोड़ कर स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। रियल्टी, एनर्जी और ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह मेटल, आईटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। एफएमसीजी सेक्टर में आज खरीदारी होती रही, जिसके कारण एफएमसीजी इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही।

संक्षिप्त समाचार

टीरा स्टोर्स पर मिलेंगे कोरियाई टीर-टीर ब्रांड के ब्यूटी प्रोडक्ट

- भारत में पहली बार स्टोर्स पर उपलब्ध होगा टीर-टीर
- पांच स्टोर्स से होगी शुरूआत

चमकता राजस्थान। नई दिल्ली। ब्यूटी प्रोडक्ट्स के ग्राहकों के लिए एक अच्छी खबर है। इंटरनेशनल कोरियाई स्किनकेयर और मेकअप ब्रांड 'टीर-टीर' भारत में रिलायंस रिटेल के टीरा स्टोर्स पर अपने ब्यूटी प्रोडक्ट्स की बिक्री शुरू करेगा। टीर-टीर के ब्यूटी प्रोडक्ट्स पहली बार भारत में टीरा स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। ग्राहक टीर-टीर के प्रॉडक्ट्स को टीरा के एप से भी ख़रीद सकेंगे।

कोरिया का टीर-टीर अपने इनोवेटिव ब्यूटी प्रोडक्ट्स, प्रीमियम गुणवत्ता और शानदार फ़ॉर्मूलेशन के लिए जाना जाता है। दुनिया में बड़ी तादाद में लोग टीर-टीर के ब्यूटी प्रोडक्ट्स को फॉलो करते हैं। खास तौर पर इसका मास्क फिट रेड कुशन फाउंडेशन काफी लोकप्रिय है। शुरुआत में टीर-टीर ब्रांड के उत्पाद टीरा के पांच प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे, जिनमें जियो वर्ल्ड ड्राइव (मुंबई), डीएलएफ एवेन्यू (वसंत कुंज, दिल्ली), मॉल ऑफ़ एशिया (बेंगलुरु), इनफ़ॉनिटी मॉल (अंधेरी, मुंबई) और इनफ़ॉनिटी मॉल (मलाड, मुंबई) शामिल हैं। टीर-टीर के पसंदीदा उत्पादों में हाइड्रेटिंग और रिफ्रेशिंग स्किनकेयर एसेंशियलमिल्क - स्किन टोनर, टीर-टीर सिरेमिक मिल्क एम्पुल और लंबे समय तक टिके रहने वाला मास्क फिट मेकअप फिक्सर शामिल है।

राष्ट्रीय गौ सेवा संघ ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर जिला के बाड़ी उपखण्ड में। आज राष्ट्रीय गौ सेवा संघ के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें जिले में आवारा पशुओं और गौ संरक्षण से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की गई। संघ ने ज्ञापन में बताया कि जिले में गौशालाओं की स्थिति दयनीय है, और आवारा गौवंश के कारण किसानों को फसल बचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आवारा पशुओं की देखभाल के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण कई गौवंश सड़कों पर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।ज्ञापन में गौशालाओं के लिए अधिक अनुदान, पशुओं के लिए चिकित्सा सुविधाएं, और गौवंश की सुरक्षा के लिए प्रभावी योजनाएं लागू करने की मांग की गई। संघ ने जिला प्रशासन से इस दिशा में शीघ्र कदम उठाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष और कई कार्यकर्ता अंजनी पाराशर, शिवम भारद्वाज, मोनू तिवारी, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंदिर में चोरी करने वाले तीन चोर गिरफ्तार

- लोहावट के विश्नावास का मामला

चमकता राजस्थान (अनिल पुष्करणा)। फलोदी 9 जनवरी। लोहावट पुलिस ने मंदिर के ताले तोड़ कर आभूषण चुराने वाले तीन चोरों को गिरफ्तार किया है ।

लोहावट पुलिस में 28 नवम्बर 24 को विश्नावास निवासी ललित कुमार पुत्र भैर चंद जैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 24 नवंबर को अज्ञात चोरों द्वारा मंदिर के ताले तोड़ कर आभूषण चोरी कर लिए । पुलिस ने डेढ़ माह में ही चोरी का खुलासा कर के पंकज कुमार पुत्र जेठमल मेगवाल ,बीजाराम पुत्र हेमाराम मेगवाल, हुकमाराम पुत्र खुशालाराम मेगवाल सभी निवासी विश्नावास लोहावट को गिरफ्तार किया है ।

जीएसटी गरीब और मध्यम वर्ग से पैसा ऐंठने का माध्यम:खेड़ा

चमकता राजस्थान। जयपुर 9जनवरी । ऑल इंडिया कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने मोदी सरकार की जीएसटी नीतियों पर तीखी आलोचना की।खेड़ा ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने जीएसटी को गरीब और मध्यम वर्ग से पैसा ऐंठने का माध्यम बना दिया है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा जीएसटी में 9 प्रकार की दरें हैं, जिनमें 0%, 5%, 12%, 18%, 28% और अतिरिक्त 50 प्रकार के उपकर शामिल हैं। इसे समझना आम लोगों के लिए बहुत मुश्किल है।

खेड़ा ने संवाददाताओं को बताया कि गरीबों पर भारः 2021-22 में जीएसटी का 64% हिस्सा समाज के निचले 50% वर्ग से आया, जबकि अमीरों के हिस्से से सिर्फ 3% योगदान हुआ।

उन्होंने कहा कि पहली बार किसानों पर भी जीएसटी लगाया गया, जिससे उनकी इनपुट लागत बढ़ गई है। ट्रैक्टर, रासायनिक खाद, और सिंचाई उपकरणों जैसी चीजों पर भी जीएसटी लागू है।उन्होंने कहा कि

2023-24 में जीएसटी चोरी 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई।उन्होंने कहा कि फर्जी कंपनियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट में 25,000 करोड़ रुपये की कर चोरी की गई, जिसमें सिर्फ 12% वसूली हुई।

मीडिया संयोजक पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में ₹सरल और न्यायपूर्ण जीएसटी 2.0₹ की बात की है, जो वर्तमान जीएसटी की जटिलताओं को समाप्त करेगा और आम लोगों पर भार को कम करेगा।

खेड़ा ने बताया कि राष्ट्रीय कांग्रेस ने मांग की है कि मोदी सरकार आगामी बजट में इस प्रस्ताव को अपनाए।

पवन खेड़ा ने जीएसटी को ₹गुड्स एंड सिंपल टैक्स₹ बनाने के कांग्रेस के दृष्टिकोण को दोहराया और मोदी सरकार की नीतियों को ₹गब्बर सिंह टैक्स₹ करार दिया। उन्होंने इसे अमीरों की मदद और गरीबों के शोषण का साधन बताया।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का दूसरा दिन | संवाद कार्यक्रम में युवाओं ने दिया अपनी प्रतिभा का परिचय

कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह ने 71 प्रतिभागियों के दल को नई दिल्ली के लिए किया रवाना

युवा अपने को और बेहतर बनाने की कोशिश हमेशा जारी रखें : कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर। युवा मामले एवं खेल मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि हम सभी को अपने आप को और बेहतर बनाने की कोशिश हमेशा जारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा अपने पर पूरा भरोसा रखें। वे अपने ज्ञान से हर मुश्किल को आसान बना सकते हैं।

कर्नल राठौड़ गुरुवार को एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के तहत नई दिल्ली जा रहे युवाओं के दल से संवाद कर रहे थे। यह दल 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगा। दल में कुल 71 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनका चयन विभिन्न प्रतियोगिताओं के आधार पर किया गया है। ये युवा राष्ट्रीय स्तर पर लोक नृत्य, लोक गायन, कविता पाठ, कहानी लेखन, भाषण और चित्रकला आदि कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। कर्नल राठौड़ ने इस दल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

युवा मामले एवं खेल मंत्री ने इन युवाओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के एम्बेसडर्स की भूमिका में होंगे। आपके प्रदर्शन और व्यवहार के जरिए लोग राजस्थान का आंकलन करेंगे। साथ ही, आपके प्रदर्शन से प्रदेश का मान-सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आपको पूरी क्षमता से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना है। हार या जीत मायने नहीं रखती, लेकिन जो भी हमने सीखा है उसका श्रेष्ठ प्रदर्शन होना चाहिए।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की छवि प्रधानमंत्री द्वारा बताई गई रिस्पॉसिबल, रिलायबल और राइजिंग राजस्थान की बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कई लोग अभावों में भी खुश रहते हैं। हमें जीवन में खुशी की तलाश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं का राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में आना व्यर्थ नहीं जाएगा, बल्कि यहां से अर्जित ज्ञान से वे अपने आप को बेहतर बना पाएंगे।

कर्नल राठौड़ ने इससे पूर्व नई दिल्ली जा रहे दल के युवा सदस्यों से आत्मीयता से संवाद किया। इस दौरान विकास से लेकर विरासत, नवीन तकनीक से लेकर कृषि और विज्ञान से लेकर कला पर युवाओं से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने युवाओं के विचारों और उनके आत्मविश्वास की जमकर सराहना की। युवाओं ने विश्वास दिलाया कि वे राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का परचम लहराएंगे।

कार्यक्रम के पश्चात युवा मामले एवं खेल मंत्री ने बनस्थली विद्यापीठ की छात्राओं द्वारा तैयार की ऑटोनोमस वाटर सरफेस क्लीनिंग बोट (भारत एक्वा बोट) का प्रदर्शन देखा। छात्राओं ने बताया कि यह बोट आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से नदियों आदि के जल की सफाई में कारगर साबित होगी। कर्नल राठौड़ ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम में उप शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग अनीता मीणा, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया एवं राजस्थान यूथ बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश पहाड़िया उपस्थित रहे।

भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के द्वितीय दिन गुरुवार को भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में संभागवार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 'विकसित भारत' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में युवाओं ने तकनीक, युवा एवं महिला विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, कला एवं संस्कृति के संरक्षण और भारत के गौरवशाली इतिहास आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं, चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कल्पना से विभिन्न विषयों को कैनवास पर उकेरा। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 12 जनवरी को पुरस्कृत किया जाएगा।

अटल जन सेवा शिविर 2025: जिला कलेक्टर ने सुनी जन समस्याएं, दिए सख्त निर्देश

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखंड की खबर। अटल जन सेवा शिविर 2025 के तहत जिला धौलपुर के बाड़ी उपखंड में जिला कलेक्टर श्री निधि बीटी की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम पंचायत समिति के बीसी हाल में संपन्न हुआ, जिसमें ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 35 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई का मौके पर निस्तारण किया गया। 107 वर्षीय महिला चमेली बघेल (निवासी सुनीपुर) की पेंशन चालू करने के निर्देश मौके पर ही दिए गए। शेष आवेदनों पर जिला कलेक्टर ने संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिक्रमण, सफाई, जलभराव और पेंशन जैसे मुद्दों को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए।

शिविर के दौरान विजय श्रीवास्तव ने दिव्यांग प्रमाण पत्र में नाम शुद्धिकरण के लिए एक वर्ष से लंबित शिकायत दर्ज कराई। जिला कलेक्टर ने मौके पर ही उनका यूडीआईडी कार्ड संशोधित करवा दिया, जिससे उनकी पेंशन सत्यापित होकर शुरू हो जाएगी। विवेक शिवहरे के पट्टा स्थानांतरण पर भी निर्देश दिए गए। जन अधिकार मंच धौलपुर के द्वारा सुनीपुर गांव के परिवादियों द्वारा सीसी खरंजा मय पक्की नाली निर्माण हेतु मांग राखी, जिस पर विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया। एसडीएम हेमंत सिंह घनघोर, विकास अधिकारी रामवोल सिंह गुर्जर, तहसीलदार उत्तम चंद्र बंसल, सीएमएचओ डॉ. जयंतीलाल मीणा, देशराज गुर्जर (ऐईएन जलदाय विभाग), डॉ. संत सिंह मीणा (पशु विभाग), डॉ. सीमा मीणा, और बृजेंद्र सिंह (जेईएन विद्युत विभाग) सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ परिवादों के त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया। इस शिविर के माध्यम से प्रशासन ने समस्याओं का समाधान करने में पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई का संदेश दिया, जिससे नागरिकों में विश्वास बढ़ा है।

फतेहपुर जाटव बस्ती की महिलाओं ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- नाले की समस्या पर कार्रवाई की मांग

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। जिला धौलपुर के पचगांव की खबर। आज दिनांक 9 जनवरी 2025 को फतेहपुर जाटव बस्ती, पचगांव की महिलाओं ने एकत्रित होकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने बस्ती में नाले के टूटने से उत्पन्न समस्याओं का विवरण दिया और त्वरित समाधान की मांग की।

महिलाओं ने बताया कि नाले के टूटने के कारण बस्ती में पानी और कीचड़ भर गया है। गंदगी ने श्मशान भूमि को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जिससे अंतिम संस्कार करने में कठिनाई हो रही है।निकासी के लिए अन्य कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं है, जिससे बस्ती में मलेरिया और अन्य गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। गांव के लोगों का आवागमन भी प्रभावित हो गया है।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि श्मशान भूमि, जो लगभग दो बीघा थी, उस पर आसपास के खेत मालिकों ने अवैध कब्जा कर लिया है। पहले 55 फीट चौड़ा आम रास्ता अब केवल 10 फीट का ही रह गया है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी परेशानी हो रही है।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इस समस्या को लेकर पिछले तीन महीनों से कई बार पत्र के माध्यम से जिला प्रशासन को अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मांग की है, कि अविलंब उनकी समस्या का समाधान किया जाए और श्मशान भूमि और रास्ते पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में बड़ा सिंह, मनोरमा, मिथलेश, वीरेंद्र, बत्तो, कुसमा, शशि, मीनू, रामकली, गुड्डी, बबीता, अंजू, रजत, महेश आदि प्रमुख रूप से शामिल थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ शीघ्र कार्रवाई की अपील की।

मनुमुक्त ट्रस्ट द्वारा विश्व हिंदी-दिवस पर विचार-गोष्ठी आयोजित

- तीन देशों के साहित्यकारों ने की हिंदी की वैश्विक स्थिति पर चर्चा

चमकता राजस्थान

नारनौल। मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा द्वारा विश्व हिंदी-दिवस के उपलक्ष्य में एक विचार-गोष्ठी का आयोजन स्थानीय सैक्टर-1, पार्ट-2 स्थित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र मनुमुक्त भवन में आज किया गया। डॉ. पंकज गौड़ के कुशल संचालन में संपन्न हुई इस गोष्ठी में भारत, बुल्गारिया और ब्रिटेन के साहित्यकारों ने वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति पर गंभीर चर्चा की। सोफिया विश्वविद्यालय, सोफिया (बुल्गारिया) में इंडोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. मोना कौशिक ने स्पष्ट किया कि पहले हिंदी फीजी, मॉरिशस, सूरीनाम, ट्रिनिडाड, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन जैसे कुछ देशों तक ही सीमित थी, लेकिन अब पूरे विश्व में हिंदी का विस्तार हो चुका है। अतः हिंदी की वैश्विक पहचान और विशिष्ट योगदान के दृष्टिगत इसे विश्वभाषा कहना अनुचित नहीं होगा। काव्य-रंग, यूके, नॉटिंघम (ब्रिटेन) की संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. जया वर्मा ने कहा कि भारतीय विश्व के किसी भी कोने या किसी भी देश में रहें, वे अपनी मातृभूमि और मातृभाषा को कभी नहीं भूलते। आज शताधिक देशों में फैले एक करोड़ भारतीयों ने हिंदी के विकास को नये आयाम दिये हैं। चीफ ट्रस्टी और सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी (राजस्थान) के प्रोफेसर एवं डीन डॉ. रामनिवास 'मानव' ने भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों को हिंदी का दूत बताते हुए कहा कि हिंदी देश को एकता के सूत्र में पिरोने के साथ विश्व स्तर पर संपर्क-भाषा के रूप में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की प्रोफेसर डॉ. आरती पाठक, मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट की ट्रस्टी डॉ. कांता भारती, हस्तिनापुर (उत्तर प्रदेश) की हिंदी-सेवी नीरू बालियान, विद्यालय पाठ्यक्रम समिति, गुरुग्राम के सदस्य डॉ. पंकज गौड़ और अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के जिला अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने भी विचार-विमर्श में सहभागिता की। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा डॉ. मोना कौशिक और डॉ. जया वर्मा को, हिंदी भाषा, साहित्य एवं नागरी लिपि के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान के दृष्टिगत, अंगवस्त्र स्मृति-चिह्न और सम्मान-पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया, वहीं डॉ. रामनिवास 'मानव' की काव्य-कृति 'शहर के बीचों-बीच' का विमोचन भी विशिष्ट अतिथियों के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

राजस्थान सरकार-शिक्षा विभाग

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवारू, झोटवाड़ा जयपुर

क्र. रा.उ.मा.वि/निवारु/झोटवाड़ा/ दि.:- 9.1.2025

निविदा

विधायक मद के अंतर्गत विद्यालय स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत स्थानीय विद्यालय में सीसीटीवी कैमरा सेटअप लगवाने हेतु वित्तीय प्रस्ताव का लिफाफा मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रसं. : 1 नाम मद : सीसीटीवी कैमरा सेटअप अनुमानित लागत: 1,99,540.00 अमानत राशि: 4000.00 निविदा शुल्क: 200.00 निविदा विक्रय करने की दिनांक व समय: 10.01.2025 दोपहर 1.00 बजे तक निविदा (बोली) प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय: 21.01.2025 दोपहर 11.00 बजे तक निविदा (बोली) खोलने की तिथि एवं समय: 21 .01.2025 दोपहर 12.00 बजे। इच्छुक व्यक्ति/फर्म निविदा सम्बन्धि समस्त जानकारी कार्यालय से एवं NIB NS EED 2425 A0519 & EED 2425 WSOBOO574 पर कर सकते हैं।

प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
निवारू (झोटवाड़ा) जयपुर

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929